Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 182
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार ,31 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

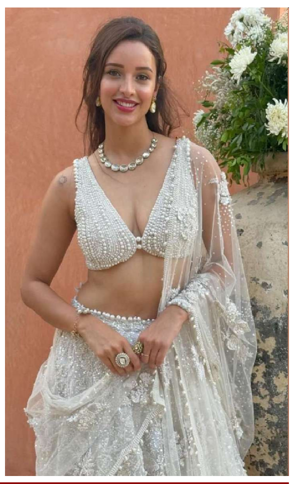

2 उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने तुगलकाबाद जंक्शन | 4 माखनलाल जी ने देखा था पत्रकारिता विश्वविद्यालय | 7 हैप्पी बर्थडे सैम, तृप्ति डिमरी ने कथित

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर पीएम ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को राजघाट स्मारक पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उप राष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने भी राजघाट स्मारक जाकर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि दी। वहां उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने राष्ट्रपिता की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा। स्मारक स्थल पर आयोजित एक सर्वधर्म प्रार्थना सभा में गांधीजी के पसंदीदा भजन घुप्तति राघव राजा राम समेत कई भक्ति गीत गाए गए। मोहनदास करमचंद गांधी, जिन्हें महात्मा गांधी के नाम से जाना जाता है, ब्रिटिश शासन से भारत की स्वतंत्रता के संघर्ष में प्रमुख व्यक्ति थे। 30 जनवरी, 1948 को दिल्ली में नाथूराम गोडसे ने उनकी हत्या कर दी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता के आदर्श भारत के विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने के संकल्प के केंद्र में हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर मेरा सौ गुना नमन। पूज्य बापू ने हमेशा स्वदेशी पर जोर दिया, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के हमारे संकल्प का एक मूलभूत स्तंभ है। मोदी ने कहा कि महात्मा गांधी का व्यक्तित्व और कर्म भारतीय पीढ़ियों को कर्तव्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, उनका व्यक्तित्व और कर्म देश के लोगों को कर्तव्य के मार्ग पर चलने के लिए सदा प्रेरित करते रहेंगे।ष 30 जनवरी को भारत में महात्मा गांधी की स्मृति में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिनकी 1948 में इसी दिन हत्या कर दी गई थी।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को शहीद दिवस पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी और उनके सत्य, अहिंसा तथा करुणा के आदर्शों को याद किया। श्री खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में गांधीवादी मूल्यों से जुड़े एक जाने-माने भक्ति पद ष्वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे, पर-दुख्खे उपकार करे तोये मन अभिमान ना आणे रे के माध्यम से महात्मा गांधी की शिक्षाओं को याद किया, जिसमें सहानुभूति और निस्वार्थ सेवा पर जोर दिया गया है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि नफरत की ताकतों ने देश को बापू से अलग कर दिया, उनका मुकाबला उनके आदर्शों से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, जिस नफरत ने हमें बापू से जुदा किया, उसका तोड़ भी बापू की ही राह है। सत्य का उजाला, अहिंसा की ताकत, और प्रेम की करुणा।

प्रदेश में प्री एसआईआर के तहत एक से 15 फरवरी तक विशेष अभियान

दूसरे चरण में इन पर रहेगा फोकस

देहरादून (एजेंसी)। पहले चरण में प्रदेश के 75 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूरी की जा चुकी है। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि वर्तमान मतदाता सूची की 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग की जा रही है। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के तहत उत्तराखंड में प्री एसआईआर गतिविधियों के अंतर्गत 1 से 15 फरवरी 2026 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान बीएलओ आउटरीच अभियान के दूसरे चरण में युवा एवं महिला मतदाताओं की मैपिंग पर विशेष फोकस रहेगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम के निर्देशन में चल रहे अभियान के पहले चरण में प्रदेश के 75 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूरी की जा चुकी है। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे ने बताया कि वर्तमान मतदाता सूची की 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग की जा रही है। उन्होंने मतदाताओं से बीएलओ को सहयोग देने की अपील की है। निर्वाचन विभाग ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों से शतप्रतिशत बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने का भी आग्रह किया है।

हर स्कूल में सैनेटरी पैड होने चाहिए, एससी का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट एससी ने सैनिटरी पैड को लेकर बड़ा निर्देश जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि सभी राज्यों के स्कूलों में छात्राओं के लिए सैनिटरी पैड जरुर होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) के तहत अब मासिक धर्म स्वच्छता का अधिकार भी शामिल है। कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आदेश दिया है कि वे 3 महीने के भीतर स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय और सैनिटरी पैड की उपलब्धता सुनिश्चित करें। सुनवाई के दौरान अदालत ने समाज और सिस्टम को आईना दिखाते हुए कहा कि यह आदेश उन लड़कियों के लिए है जो झिझक के कारण मदद नहीं मांग पातीं। कोर्ट ने कहा, हम हर उस बच्ची को यह संदेश देना चाहते हैं जो शायद इसलिए स्कूल नहीं जा पाती क्योंकि उसके शरीर (मासिक धर्म) को बोझ समझा जाता है। इसमें उसकी कोई गलती नहीं है। कोर्ट ने आगे कहा कि किसी भी समाज की प्रगति इस बात से मापी जाती है कि वह अपने सबसे कमजोर वर्ग की रक्षा कैसे करता है। हर सरकारी और निजी स्कूल में छात्राओं के लिए अलग शौचालय और पानी की व्यवस्था अनिवार्य होगी। इसमें दिव्यांग छात्राओं की सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

अवैध हथियारों की सप्लाई करने वालों के खिलाफ की बड़ी कार्रवाई, 15 पिस्तौल बरामद

रोहतक (एजेंसी)। रोहतक पुलिस ने अवैध हथियारों की सप्लाई करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। अपराध जांच शाखा (सीआईए-2) की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 15 देसी पिस्तौल, 34 कारतूस और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भौरिया ने बताया कि सीआईए-2 प्रभारी सतीश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम रोहतकदझज्जर रोड पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि दो युवक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर अवैध हथियारों के साथ जलेबी चौक पुल के पास खड़े हैं। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों को काबू कर लिया। आरोपियों की पहचान रमन उर्फ कलसी (निवासी माजरी मोहल्ला, शाहाबाद कुरुक्षेत्र) और रविन्द्र उर्फ बिंद्र (निवासी इंद्रा विहार कॉलोनी, पानीपत) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान रमन से 9 पिस्तौल व 23 कारतूस तथा रविन्द्र से 6 पिस्तौल व 11 कारतूस बरामद हुए।

मनरेगा-एक्ट के खिलाफ कांग्रेसियों का हल्लाबोल, धान खरीदी की तारीख को लेकर प्रदेश भर में जोरदार प्रदर्शन

रायपुर (एजेंसी)। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने राज्यभर में मनरेगा बचाओ संग्राम और धान खरीदी की तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर व्यापक प्रदर्शन किया। रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, अंबिकापुर, रायगढ़, दुर्ग, गरियाबंद और रामानुजगंज समेत लगभग हर जिले और ब्लॉक स्तर पर कांग्रेस कार्यकताओं ने धरना-प्रदर्शन के साथ चक्काजाम किया। रायगढ़ जिले के कोलाईबहाल-जामगांव क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकताओं ने ओडिशा रोड पर चक्काजाम किया। यहां महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर ड्राई-डे घोषित नहीं किए जाने को लेकर शराब दुकान के सामने भी प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार गांधी के आदर्शों का अपमान कर रही है।

राष्ट्रपिता की पुण्य तिथि पर सीएम योगी ने बापू को किया नमन

जीपीओ पार्क में गांधी प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

लखनऊ (एजेंसी)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर आज शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीपीओ पार्क में गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धा व सम्मान के वातावरण में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बापू को नमन किया। इसके बाद कुछ क्षण मौन रहकर उन्होंने राष्ट्रपिता को स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर भी बापू को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए आमजन से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया।श्रद्धांजलि समारोह के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा महात्मा गांधी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति दी गई। रघुपति राघव राजाराम सहित अन्य भजनों की मधुर धुनों से जीपीओ पार्क गूंज उठा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एकाग्रता के साथ लगभग 15 मिनट तक बैठकर भजनों को सुना। इस दौरान उन्होंने न केवल बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की, बल्कि गांधी प्रतिमा के समक्ष सभी स्कूली बच्चों के साथ फोटो भी खिंचाई।इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर बापू को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन। श्रद्धेय बापू का सत्यनिष्ठ आचरण, अहिंसा की उनकी अडिग साधना और मानवता के प्रति अनन्य करुणा, संपूर्ण विश्व को सदैव आलोकित करती रहेगी।

अमित शाह ने असम में 1,715 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण

रखी दूसरी विधानसभा की आधारशिला

गुवाहाटी (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के डिब्रूगढ़ में दूसरे

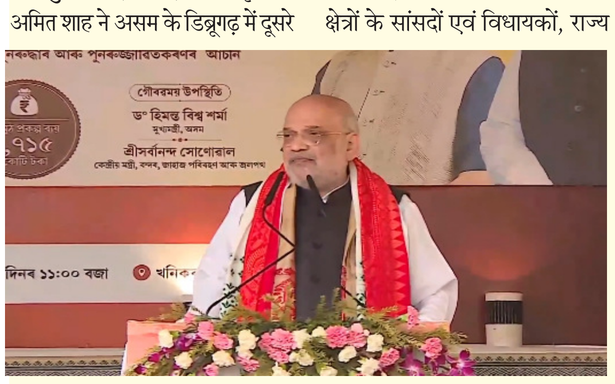

विधानसभा परिसर समेत 1,715 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुक्रवार को लोकार्पण किया। शाह ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल, ऊपरी असम के विधानसभा क्षेत्रों के सांसदों एवं विधायकों, राज्य मंत्रिमंडल के कई मंत्रियों तथा वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की मौजूदगी में इन परियोजनाओं का लोकार्पण किया। उन्होंने डिब्रूगढ़ को दूसरे प्रशासनिक केंद्र के रूप में स्थापित करने के सरकार के प्रयासों के तहत 284 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जाने वाले दूसरे विधानसभा परिसर और विधायक हॉस्टल की आधारशिला रखी। इस परियोजना के तहत तीन मंजिला विधानसभा भवन, विधायकों के लिए नौ मंजिला हॉस्टल, 800 सीट की क्षमता वाला सभागार और सुरक्षा कर्मियों के लिए एक बैरक का निर्माण किया जाएगा। शाह ने 238 करोड़ रुपये से बने आधुनिक खेल परिसर के पहले चरण का उद्घाटन किया और इसके दूसरे चरण की आधारशिला रखी जिसका 209 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्माण किया जाएगा। परियोजना के पहले चरण में इनडोर स्टेडियम, स्विमिंग पूल, फुटबॉल मैदान, मुख्य दर्शक दीर्घा, टेनिस, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल कोर्ट तथा हॉस्टल शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि खेल सुविधा के दूसरे चरण में 30,000 लोगों के लिए बैठने की अतिरिक्त जगह, एक केंद्रीय खेल मैदान और एक एथलेटिक ट्रैक होगा। गृह मंत्री ने जंगली जानवरों के उपचार के लिए 292 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जाने पहले वन्यजीव स्वास्थ्य एवं अनुसंधान केंद्र की आधारशिला रखी जिसमें उन्नत प्रयोगशाला सुविधाएं और प्रशिक्षण इकाइयां भी होंगी।

क्या मनरेगा के बाद अब आरटीआई को खत्म करना चाहती है सरकार

खरगे का बड़ा सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आर्थिक समीक्षा में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम का फिर से अध्ययन करने की पैरवी किए जाने का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि क्या सरकार मनरेगा के बाद अब इस कानून को खत्म करना चाहती है? संसद में बृहस्पतिवार को प्रस्तुत वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा में लगभग दो दशक पुराने आरटीआई कानून का फिर से अध्ययन करने की वकालत की गई है, ताकि गोपनीय रिपोर्ट और मसौदों को सार्वजनिक किए जाने से छूट प्राप्त हो। आर्थिक समीक्षा में यह भी कहा गया कि आरटीआई अधिनियम 2005 का मकसद कभी भी इसे व्यर्थ की जिज्ञासा का जरिया बनाने का नहीं था, न ही इसका मकसद बाहर से बैठकर सरकार के हर छोटे-छोटे काम में दखल देना या उसे नियंत्रित करना था। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, आर्थिक समीक्षा ने सूचना का अधिकार अधिनियम की फिर से अध्ययन करने की पैरवी की है। यह सूचना को रोकने के लिए संभावित

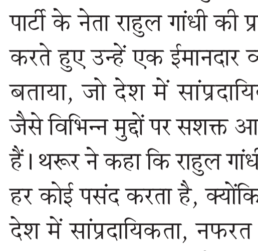

मंत्री स्तरीय वीटो का सुझाव भी देती है और यह देखने की बात करती है कि क्या नौकरशाहों की सार्वजनिक सेवा से जुड़े रिकॉर्ड, तबादले और स्टाफ रिपोर्ट्स को सार्वजनिक निगरानी से बाहर रखा जा सकता है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने व्यवस्थित रूप से आरटीआई अधिनियम को कमजोर किया है। 2025 तक 26,000 से ज्यादा मामले लंबित हैं। 2019 में मोदी सरकार ने आरटीआई अधिनियम में कटौती करते हुए सूचना आयुक्तों के कार्यकाल और वेतन पर नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया, जिससे स्वतंत्र निगरानी संस्थाओं को आज्ञाकारी अफसरों में बदल दिया गया।

राहुल गांधी एक ईमानदार व्यक्ति हैं :शशि थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को पार्टी के नेता राहुल गांधी की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक ईमानदार व्यक्ति बताया, जो देश में सांप्रदायिकता जैसे विभिन्न मुद्दों पर सशक्त आवाज हैं। थरूर ने कहा कि राहुल गांधी को हर कोई पसंद करता है, क्योंकि वह देश में सांप्रदायिकता, नफरत और विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ लगातार बोलते रहते हैं। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने यहां पत्रकारों से कहा, इस बारे में मेरी कोई अलग राय नहीं है। थरूर ने यह भी कहा कि उन्होंने राहुल के खिलाफ

किसी भी गलत टिप्पणी से कभी सहमति नहीं जताई और कहा, वह (राहुल) एक ईमानदार नेता हैं। उनकी यह टिप्पणी अपनी शिकायतों के निवारण के लिए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से हुई मुलाकात के एक दिन बाद आई है। इस मुलाकात के बाद उन्होंने कहा था कि सब ठीक है और हम साथ-साथ हैं। थरूर कोच्चि में हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में उनके साथ हुए व्यवहार और केरल में कुछ नेताओं द्वारा उन्हें दरकिनार करने के प्रयासों से नाराज बताए जा रहे थे।

किश्तवाड़ में छिपे जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकी,सुरक्षा बलों ने चलाया सर्च ऑपरेशन, मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित

जम्मू (एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में जैश-ए-मोहम्मद के तीन छिपे आतंकवादियों का पता लगाने के लिए बर्फ से ढके चतरू इलाके में आतंकवाद रोधी अभियान तेज कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के दौरान सिंहपोरा, चिंगम और चतरू में छह किलोमीटर के दायरे में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित हैं ताकि राष्ट्रविरोधी तत्व इनका दुरुपयोग नहीं कर सकें। क्षेत्र में यह अभियान 18 जनवरी को शुरू किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप मंड्राल-सिंहपोरा के पास सोनार जंगल में भीषण गोलीबारी हुई जिसमें एक पैराट्रूपर

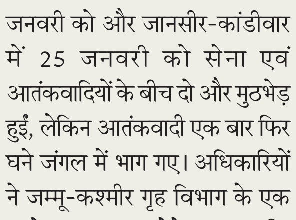

शहीद हो गए और सात जवान घायल हो गए। हालांकि घने जंगल और चुनौतीपूर्ण भूभाग का फायदा उठाकर आतंकवादी भाग गए। सुरक्षा बलों ने दो फुट से अधिक बर्फ जमने के बावजूद आतंकवादियों की तलाश जारी रखी। माली दाना चोटी पर 22 जनवरी को और जानसीर-कांडीवार में 25 जनवरी को सेना एवं आतंकवादियों के बीच दो और मुठभेड़ हुईं, लेकिन आतंकवादी एक बार फिर घने जंगल में भाग गए। अधिकारियों ने जम्मू-कश्मीर गृह विभाग के एक आदेश का हवाला देते हुए कहा कि सिंहपोरा, चिंगम और चतरू में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं के निलंबन की अवधि बढ़ा दी गई और सेवाएं 30 जनवरी को रात 11 बजकर 59 मिनट तक निलंबित रहेंगी।

कर्नाटक सरकार पर 6,000 करोड़ के शराब घोटाले का आरोप,भाजपा बोली- विकास नहीं सत्ता संघर्ष है कांग्रेस का मॉडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने नयी दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में शुक्रवार को प्रेसवार्ता कर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार पर 6,000 करोड़ रुपए के शराब घोटाले का आरोप लगाया गया है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जब केंद्र में भाजपा विपक्ष में थी, तब भी गुजरात मॉडल की खूब चर्चा होती थी, लेकिन आज हम बात करेंगे कि कांग्रेस पार्टी जिन राज्यों में सरकार चला रही है, वहां वह किस तरह का मॉडल पेश कर रही है। कांग्रेस सरकार पर

6,000 करोड़ रुपए के शराब घोटाले का आरोप लगा है। यह आरोप केंद्र सरकार ने नहीं, बल्कि उसी राज्य के शराब व्यापारियों ने लगाया है। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस की जिन राज्यों में सरकार है, वे कैसा मॉडल प्रस्तुत कर रहे हैं, उसकी बानगी हम आपके सामने रखना चाहते हैं। वाइन मर्चेंट्स एसोसिएशन ने बताया है कि रेस्टोरेंट से लेकर होटलों तक, किस प्रकार अलॉटमेंट के नाम पर सरकार के विभिन्न स्तरों पर बैठे मंत्रियों और अन्य लोगों तक यह पैसा जाता था। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अगर प्रदेश की जनता किसी भी दल को सत्ता देती है तो अपेक्षा करती है कि वह सरकार विकास और सुशासन के मार्ग पर प्रदेश को ले जाएगी। मध्य प्रदेश में हमने ऐसी योजनाएं लागू की थीं, जिससे बच्चियों का भविष्य सुरक्षित हो सके। कर्नाटक में जब 2008 में हमारी सरकार थी, तब हमने किसानों को एक साल के लिए बिना ब्याज के ऋण देने का प्रयास किया था और सफल रहे थे। उन्होंने कहा कि जैसे हमारी सरकार के पास विकास का एक मॉडल है, वैसे ही कांग्रेस के पास भी अपना मॉडल है जहां मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री के बीच लगातार सत्ता की लड़ाई चलती रहती है, चाहे वह कर्नाटक हो, मध्य प्रदेश हो या राजस्थान हो।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने तुगलकाबाद जंक्शन केबिन (दिल्ली क्षेत्र) - पलवल सेक्शन पर कवच प्रणाली के इंस्टॉलेशन का निरीक्षण किया

नई दिल्लीः उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने आज तुगलकाबाद जंक्शन केबिन (दिल्ली क्षेत्र) और पलवल सेक्शन पर स्वदेशी कवच प्रणाली (ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम) के इंस्टॉलेशन का निरीक्षण किया। चार लाइन वाले इस (35 किमी) सेक्शन में 152 मेन लाइन ट्रैक किलोमीटर हैं। उत्तर रेलवे ने इस कॉरिडोर के पूरे हिस्से में कवच प्रणाली लगाई है, जिसके अंतर्गत प्रमुख स्टेशन यार्ड, ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम वाली दो मेन लाइनें और एब्सोल्यूट ब्लॉक सिग्नलिंग वाली दो लाइनें शामिल हैं।

निरीक्षण के दौरान कवच प्रणाली से जुड़े पांच टेस्ट किए गएः

सिग्नल पासिंग एट डेंजर (SPAD) टेस्टः* लोको पायलट ने

कवच को टेस्ट करने के लिए रेड सिग्नल पार करने की कोशिश की, कवच सिस्टम ने सिग्नल से पहले ही लोको को रोक दिया।

हेड ऑन कोलिजन टेस्टः दो लोको को एक ही लाइन पर रखा गया, कवच प्रणाली ने तय दूरी की लिमिट से काफी पहले ही लोको को रोक दिया।

रियर एंड कोलिजन टेस्टः इस टेस्ट में लोको के पीछे की ओर फिसलने की परस्थिति उत्पन्न की गई, कवच प्रणाली ने पीछे से टक्कर से बचने के लिए लोको को पीछे जाने से रोक दिया।

लूप लाइन ओवरस्पीड टेस्टः ट्रायल के दौरान, लोको 120 ेस्त्रँ की स्पीड से लूप लाइन में गया, कवच प्रणाली ने स्पीड को 20 kmph तक सीमित कर दिया।

लेवल क्रॉसिंग प्रोटेक्शन टेस्टः* इसमें फाटक खुला होने की परस्थिति उत्पन्न की गई जिसमें कवच प्रणाली ने लोको को फाटक से पहले ही रोक दिया। अशोक कुमार वर्मा ने कहा, यह कमीशनिंग भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त और हाई-डेंसिटी कॉरिडोर में से एक पर बड़ा सेफ्टी अपग्रेड है, जो दिल्ली उपनगरीय और लंबी दूरी के रेल नेटवर्क को कवर करता है। यह सेक्शन पैसेंजर, उपनगरीय और मालगाड़ियों के लिए एक हाई-ट्रैफिक वाला हिस्सा है। इस सेक्शन पर कवच प्रणाली की कमीशनिंग से ऑपरेशनल सेफ्टी, विश्वसनीयता और पैसेंजर का भरोसा काफी बढ़ गया है। कवच एक एडवांस्ड ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है, जिसे आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत देश में ही बनाया गया है। कवच आपात स्थितियों में रेलगाड़ियों में ब्रेक लगाकर रेल परिचालन को और अधिक सुरक्षित बनाता है। यह सिस्टम ऑटोमैटिकली सिग्नल पासिंग एट डेंजर (SPAD), आमने-सामने और पीछे से टक्कर होने के खतरों से बचाता है। इसके अलावा, ओवरस्पीडिंग पर लगातार नजर रखकर उसे कंट्रोल किया जाता है और कम दृश्यता और खराब मौसम में भी संरक्षा सुनिश्चित की जाती है। KAVACH, SIL-4 संरक्षा मानकों के अनुकूल कार्य करने वाला दुनिया में संरक्षा का सबसे ऊंचा स्तर है। देश में डिजाइन किया गया और किफायती सिस्टम होने के कारण, यह आयातित तकनीक पर निर्भरता कम करता है और भारतीय सिग्नलिंग इंडस्ट्री को प्रोत्साहन देता है। भारतीय रेलवे धीरे-धीरे ङअश्अउत्न प्रणाली का विस्तार कर रही है, जिससे लाखों यात्रियों के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद रेल परिचालन और सुरक्षित रेल यात्रा के लिए उसकी प्रतिबद्धता और दृढ़ हो रही है। यह कमीशनिंग सुरक्षित और आत्मनिर्भर भारतीय रेलवे की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

पूर्वोत्तर रेलवे के वॉलीबॉल कोच विनोद कुमार भारतीय रेलवे वॉलीबॉल टीम के कोच के रूप में प्रतिभाग करेंगे

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) द्वारा खिलाड़ियों को उपलब्ध कराये जा रहे अत्याधुनिक संसाधनों एवं प्रशिक्षणों के फलस्वरूप पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियों का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में, रायपुर, छत्तीसगढ़ में 03 से 08 फरवरी, 2026 तक आयोजित होने वाली 37वें फेडरेशन कप चैम्पियनशिप में भाग ले रही भारतीय रेलवे वॉलीबॉल महिला टीम में पूर्वोत्तर रेलवे की महिला वॉलीबॉल खिलाड़ी सुश्री दीक्षा ठाकुर एवं सुश्री सुमेधा कुमारी का चयन हुआ है। साथ ही पूर्वोत्तर रेलवे के वॉलीबॉल कोच श्री विनोद कुमार भारतीय रेलवे वॉलीबॉल टीम के कोच के रूप में प्रतिभाग करेंगे। 37वें फेडरेशन कप चैम्पियनशिप हेतु भारतीय रेलवे वॉलीबॉल टीम में पूर्वोत्तर रेलवे के वॉलीबॉल खिलाड़ियों एवं कोच के चयनित होने पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं सरंक्षक/नरसा श्री उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री विनोद कुमार शुक्ल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष/नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता, मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/पी.एम. एवं उपाध्यक्ष/नरसा श्री बिजय कुमार, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एवं महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह, वॉलीबॉल/सचिव डॉ० फहीम अहमद, सहायक क्रीड़ाधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह तथा नरसा पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक कठिनाइयों के कारण निम्नलिखित गाड़ियों के निरस्तीकरण का विस्तार निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक कठिनाइयों के कारण निम्नलिखित गाड़ियों के निरस्तीकरण का विस्तार निम्नवत किया जायेगा।

निरस्तीकरण-

-गोरखपुर कैंट से 02 से 16 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 15129 गोरखपुर कैंट-वाराणसी सिटी सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

-वाराणसी सिटी से 01 से 15 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 15130 वाराणसी सिटी-गोरखपुर कैंट सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

-सीवान से 02 से 16 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 55041 सीवान-गोरखपुर कैंट सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर कैंट से 01 से 15 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 55042 गोरखपुर कैंट-सीवान सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

-सीवान से 02 से 16 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 55122 सीवान-समस्तीपुर सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

-समस्तीपुर से 02 से 16 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 55121 समस्तीपुर-सीवान सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा 40 दिन में गाय को दें राज्यमाता का दर्जा

वाराणसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मीडिया से बातचीत में प्रदेश सरकार को 40 दिन का अल्टीमेटम दिया है। बोले अगर ऐसा नहीं हुआ तो वह लखनऊ में सभी संतों के साथ पहुंचकर विरोध दर्ज कराएंगे। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि 40 दिन में गाय को राज्यमाता का दर्जा दीजिए। बीफ निर्यात पर रोक लगाइए। 10 मार्च को 40 दिन बीतेंगे। यदि ऐसा नहीं हुआ तो 11 मार्च को लखनऊ में सभी संत इकट्ठा होंगे और कड़ा विरोध जताएंगे। शंकराचार्य ने कहा, यूपी सरकार की पुलिस व अन्य अधिकारियों ने हमसे शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा था, जो हमने उपलब्ध करा दिया। अब हम प्रदेश सरकार को अल्टीमेटम देते हैं कि 40 दिन के अंदर वो खुद को सिद्ध करें। यदि ऐसा नहीं हुआ तो 40 दिनों के बाद वह लखनऊ में सभी संत समाज के साथ पहुंचेंगे। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि सनातनी हिंदुओं पर डंडा बरसाना बंद कीजिए। देश से कुल बीफ का निर्यात का 40 फीसदी सिर्फ उत्तर प्रदेश का है। देश में पशुओं की संख्या में भैंस गाय की तुलना में 75 फीसदी है, बाकी जगह गाय की संख्या ज्यादा है। कुर्सी के लोभ में यह पाप आप कर रहे हैं। निर्यात को तत्काल बंद कीजिए। तीखा हमला बोलते हुए कहा कि माफी मांगने का तरीका होता है। प्रशासन लालच दे रहा थे कि आप नहा लीजिए आपके ऊपर फूल बरसाएंगे। मैंने मना कर दिया।

सीडीओ ने आसरा आवास का किया निरीक्षण योजना के लाभार्थियों ने सुनाई समस्याए

कानपुर। मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने घाटमपुर में आसरा आवास योजना का निरीक्षण कर वहां व्याप्त सीलन और पानी-बिजली की समस्याओं पर नाराजगी जताई। निर्माण संस्था सीएनडीएस ने बजट की कमी और जीएसटी रिफंड न मिलने की बात कही, जिस पर सीडीओ ने शासन स्तर पर पैरवी करने को कहा। कानपुर के घाटमपुर में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने शुक्रवार को आसरा आवास योजना के आवासों का निरीक्षण किया। इस दौरान खामियां मिलने पर उन्होंने खिन्नता जाहिर की। उन्होंने आवंटित व खाली पड़े आवासों को जल्द दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। वहीं, बजट की कमी की बात सामने आने पर निर्माण संस्था के अधिकारी को शासन स्तर तक जानकारी देने की बात कही। निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने आवास परिसर, भवनों की स्थिति, जलापूर्ति, बिजली व्यवस्था तथा दीवारों में सीलन जैसी समस्याओं का बारीकी से जायजा लिया।

सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी मनोज कुमार

गोरखपुरः प्रमुख कार्मिक अधिकारी श्री मनोज कुमार ने31 जनवरी,2026 को सेवानिवृत्त हो रहे उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/टेली श्री अतुल सिंह, उप मुख्य सामग्री प्रबन्धक, गोरखपुर श्री अरविन्द कुमार जायसवाल, ए.सी.एम.टी/यांत्रिक कारखाना श्री श्याम नन्दन ठाकुर तथा सहायक सचिव/रेलवे भर्ती सेल श्री हरखेन सिंह को अपने कक्ष में समापक राशि का प्रपत्र एवं सेवा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों के स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की। इसके अतिरिक्त मुख्य कार्मिक अधिकारी/प्रशासन श्री मनोज कुमार ने कार्मिक विभाग के सभा कक्ष में 31 जनवरी, 2026 को आयोजित एक समारोह में 31 जनवरी, 2026 को सेवानिवृत्त हो रहे 25 अराजपत्रित रेलकर्मियों को समापक राशि का प्रपत्र एवं सेवा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सेवा निवृत्त रेल कर्मियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य कार्मिक अधिकारी/प्रशासन श्री मनोज कुमार ने कहा कि आप सभी ने अपने जीवन का एक लम्बा समय रेलवे को दिया है। आपके अनुभव से हम आगे भी लाभ उठाते रहेंगे। इस अवसर पर कार्मिक एवं लेखा विभाग के अधिकारी, यूनियन के पदाधिकारी तथा सेवानिवृत्त होने वाले रेल कर्मियों के परिजन उपस्थित थे। साथ ही लेखा विभाग में आयोजित एक अन्य समारोह में 31 जनवरी, 2026 को सेवानिवृत्त हो रहे 02 अराजपत्रित कर्मचारियों को वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी/निर्माण श्री रोहित राज गुप्ता ने समापक राशि का प्रपत्र एवं सेवा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके सुखमय जीवन की कामना की।

यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में आर.डी.एस.ओ. की तकनीकी कार्यशाला सम्पन्न संरक्षा एवं आधुनिक तकनीक पर हुआ मंथन

गोरखपुर,: महानिदेशक, आर.डी.एस.ओ. के दिशा-निर्देश पर यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में रोलिंग स्टॉक के रखरखाव से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तकनीकी मुद्दों पर 29 जनवरी, 2026 को एक दिवसीय विशेष तकनीकी कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य रोलिंग स्टॉक के रखरखाव में आधुनिक तकनीकों का समावेश तथा संरक्षा एवं सुरक्षा मानकों को सुदृढ़ करना था। कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य कारखाना प्रबन्धक/यांत्रिक कारखाना श्री सुनील कुमार शर्मा ने किया। इस अवसर पर अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आर.डी.एस.ओ.) के विशेषज्ञ टीम ने रेल संरक्षा तथा आधुनिक कोच तकनीक पर विस्तृत जानकारी साझा की। आर.डी.एस.ओ. की नॉलेज-शेयरिंग पहल के तहत, रोलिंग स्टॉक वर्टिकल के अन्तर्गत तकनीकी कार्यशाला की एक सीरीज आयोजित की जा रही है ताकि समय-समय पर जारी किये गये दिशा-

निर्देशों एवं तकनीकी एडवाइजरी के तकनीकी मुद्दो तथा परिचालनिक सम्बन्धित विषयों को प्रभावी ढंग से रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मध्य फैलाया जा सके। सत्र के आरम्भ में आर.डी.एस.ओ. के निदेशक/वीजीडी-। श्री ओमकार नाथ सिंह ने बोगी रखरखाव, स्प्रिंग डैम्पर एवं कंट्रोल आर्म की तकनीकी बारीकियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान सी.बी.सी. कपलर की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझाया गया। आधुनिक ट्रेनों की तकनीक पर चर्चा करते हुये निदेशक (ब्रेक) श्री सुधीर सिंह ने वंदे भारत तथा एल.एच.बी. ट्रेनों में इस्तेमाल होने वाले अत्याधुनिक एयर ब्रेक सिस्टम एवं डब्ल्यू.एस.पी. तकनीक पर विशेष व्याख्यान दिया। इसके अतिरिक्त, ए.डी.ई. (मानक) श्री ए.पी. सिंह ने सी.टी.आर.बी. तथा निदेशक (एस.एस.) श्री अनुराग मलिक ने एफ.एस.डी.एस. एवं एफ.डी.एस.एस. जैसे महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरणों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने कोचों के रखरखाव में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं और उनके तत्काल समाधान (ट्रबलशूटिंग) पर विस्तृत चर्चा की। रेल कर्मियों की कार्यक्षमता बढ़ाने एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये ह्यक्या करें और क्या न करेंह्य के बारे में भी निर्देशित किया गया। कार्यक्रम के अंत में एक इंटरएक्टिव सत्र आयोजित हुआ, जिसमें पर्यवेक्षकों एवं कर्मचारियों की तकनीकी शंकाओं का मौके पर ही समाधान किया गया। इस कार्यशाला में यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर एवं इज्जतनगर तथा पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न कोचिंग डिपो के अधिकारियों, पर्यवेक्षकों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग लिया।

बाइक की टक्कर के बाद जमकर हुई मारपीट बचाव करने पहुंचे व्यक्ति को भी पीटा

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले में बाइक की टक्कर के बाद दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे व्यक्ति को भी पीट दिया। मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। आजमगढ़ जिले के सिधारी थाना क्षेत्र के हाइडिल चौराहे पर देर रात दो बाइकों की टक्कर के बाद विवाद हुई। झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे एक व्यक्ति को भी आरोपियों ने पीट दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में कई युवक लात-घूसे और जूतों से मारपीट करते नजर आ रहे हैं। क्या है पूरा मामला जानकारी के अनुसार, सिधारी थाना क्षेत्र निवासी राजेश कुमार पांडेय देर रात हाइडिल चौराहे पर मौजूद थे। इस दौरान उनके परिचित बबलू यादव के साथ सात-आठ की संख्या में पहुंचे युवक मारपीट करने लगे। राजेश ने विवाद को शांत कराने और दोनों पक्षों को अलग करने का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने मौके पर खड़ी बाइक को

क्षतिग्रस्त करने का भी प्रयास किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों बाइकों को कब्जे में लेकर थाने आई। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने छह से ज्यादा अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई है।

संक्षिप्त खबरें

युवक को जेल से छुड़वाने के नाम पर महिला से एक लाख की ठगी

गौर। थाना क्षेत्र के डिगरभरिया गांव का एक युवक किसी मामले में जेल में बंद है। छुड़वाने के लिए उसकी मां से हरैया थाना क्षेत्र के सुकरौली चौधरी गांव के एक शख्स ने एक लाख रुपये ठग लिए। मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के टिनिच चौकी क्षेत्र के ग्राम डिगरभरिया गांव की रहने वाली महिला सुशीला ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उसका बेटा किसी मामले में कई माह से जेल में बंद है। पैरवी के लिए वह बस्ती न्यायालय आती-जाती थी। इस दौरान उसकी मुलाकात हरैया क्षेत्र के ग्राम सुकरौली चौधरी निवासी शिवकुमार सिंह से हुई, शिवकुमार अपने झांसे में लेकर महिला से कहा कि आप एक लाख रुपये का इंतजाम करो आपके बेटे को वह जेल से रिहा कहा देगा। सुशीला का कहना है कि उसने चार बार में शिवकुमार सिंह को रुपये दे दिए, जब उसका बेटा जेल से नहीं छूटा तो वह रुपये की मांग करने लगी। इस पर आरोपी उसे अपशब्द कहते हुए रुपये न देने की बात करने लगा। महिला ने पहले हरैया थाने में शिकायत की, मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद महिला ने एसपी ऑफिस में शिकायत प्रकोष्ठ में प्रार्थना पत्र देकर शिकायत की।

सोनहा-शिवाघट मार्ग पर बाइक की टक्कर से मासूम की मौत, पिता-पुत्री घायल

बस्ती। सोनहा थाना क्षेत्र के सोनहा-शिवाघट मार्ग पर रामनगर गांव के पास बाइक सवार ने बृहस्पतिवार की दोपहर साइकिल सवार को टक्कर मार दी। साइकिल सवार एक मासूम की मौत हो गई जबकि पिता-पुत्री घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के रामनगर कुसहवा गांव निवासी बुधिराम साइकिल से अपने बच्चों के साथ भिरिया बाजार से घर जा रहे थे। रामनगर गांव के बाइक सवार विनय ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी। इससे बुधिराम (40), बेटी अनुष्का (5) और ढाई वर्षीय पुत्र रुद्र घायल हो गए। परिजन घायलों को सीएचसी सल्टौआ ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया और रुद्र को मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष महेश सिंह ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है।

फरवरी के प्रथम सप्ताह में तैयार हो जाएगा ड्यूटी चार्ट

बस्ती। यूपी बोर्ड परीक्षा अब नजदीक आ गई है। प्रैक्टिकल परीक्षा दो फरवरी को समाप्त हो जाएगी। इसके 15 दिन बाद से मुख्य परीक्षा शुरू होने वाली है। इसको लेकर विभाग अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गया है। कक्ष निरीक्षकों की तैनाती के लिए सभी माध्यमिक विद्यालयों से शिक्षकों की सूची मंगा ली गई है। बीएसए से परिषदीय शिक्षकों की भी सूची मांगी गई है। फरवरी के प्रथम सप्ताह में कक्ष निरीक्षकों और सह केंद्र व्यवस्थापकों का ड्यूटी चार्ट तैयार हो जाएगा। डीआईओएस संजय सिंह ने परीक्षा के मद्देनजर 30 जनवरी को जीजीआईसी में सभी केंद्र व्यवस्थापकों की बैठक भी बुलाई है। इसमें शुचितापूर्ण परीक्षा कराने की रणनीति तय की जाएगी। वहीं डीआईओएस कार्यालय में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम भी तैयार कराया जा रहा है। इसमें 15 से 20 कंप्यूटर वाईफाई सुविधा से आच्छादित किए जा रहे हैं। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे की नजर में होने वाली परीक्षा की लाइव निगरानी इस कंट्रोल रूम से की जाएगी। डीआईओएस ने बताया कि केंद्र व्यवस्थापक के साथ सह केंद्र व्यवस्थापक भी नियुक्त किए जाएंगे। यह दूसरे विद्यालयों के शिक्षक या प्रधानाचार्य होंगे। इसके अलावा कक्ष निरीक्षक भी दूसरे विद्यालय के शिक्षकों को बनाया जाएगा। एक कक्ष में कम से कम दो निरीक्षक की ड्यूटी लगाई जाएगी, जिनकी निगरानी में परीक्षा होगी।

राजस्थान से आएगी नंदा बाबा की प्रतिमा

पुरानी बस्ती। शिवधाम मंदिर के ब्रह्मलीन महंत नंदा बाबा की समाधि बनाने की तैयारी तेज हो गई है। समाधि स्थल के पास ही उनकी प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसके लिए राजस्थान के मकराना से सफेद संगमरमर की प्रतिमा मंगाई जाएगी। यह प्रतिमा शिवरात्रि के पूर्व स्थापित होगी। इसके अनावरण के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया जाएगा। यह जानकारी महंत जगराम दास ने दी है। उन्होंने बताया किबस्ती के देशबंधु कहे जाने वाले नंदा नाथ संतकबीरनगर के फरेंदिया लाला के रहने वाले थे। 1968 में बीयूएमएस की डिग्री बीएचयू से लेकर बस्ती प्रैक्टिस करने आए थे। शायद उन्हें बस्ती के दुर्गा महोत्सव का अग्रज बनने के साथ अस्पताल चौराहे के शिवधाम मंदिर में भगवान शिव ने अपनी सेवा के लिए चुना था। प्रैक्टिस करने आए नंदा नाथ ने 1969 में गुरु गोरक्षनाथ मंदिर पहुंकर संन्यास ग्रहण कर लिया। महंत ब्रम्हलीन अवेद्यनाथ उनके गुरु थे। संन्यासी बनकर शहर में वापस लौटे नंदा बाबा ने पहली बार अस्पताल चौराहे पर दुर्गा महोत्सव का शुभारंभ किया जो बस्ती की पहचान बनता गया।

लड़की भगाने के आरोप में चार पर प्राथमिकी

बस्ती। रुधौली थाना क्षेत्र के एक गांव में शादी का झांसा देकर लड़की को भगा ले जाने का आरोप चार युवकों पर लगा है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को चारों आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पिता ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि आठ जनवरी को उनकी बेटी को गांव का ही दिलीप कुमार पांडेय शादी का झांसा देकर कहीं लेकर चला गया है। आरोपी का साथ संजय चौरसिया, पंकज गुप्ता, प्रदीप सोनी तथा दो अज्ञात युवकों ने दिया है। विवेचक राजकुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है।

किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के गनेशपुर में बुधवार की शाम ईंट-भट्ठे पर किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में पुलिस ने एक युवक पर प्राथमिकी दर्ज की है। झारखंड के गुमला जिले के थाना सिसई निवासी युवक ने वाल्टरगंज पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि बुधवार की शाम उसकी 14 वर्षीय बहन को वाल्टरगंज थाना क्षेत्र ग्राम धोबहिलया निवासी ताज मोहम्मद (25) बहला-फुसलाकर एक ईंट-भट्ठे पर ले गया और उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। आरोपी के चंगुल से छूटकर घर आई बहन ने आपबीती बताई, इसके बाद पुलिस को तहरीर दी गई। थानाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

वीडियो बनाने का विरोध करने पर घर पर फेंका ईंट-पत्थर

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के एक विद्यालय में गणतंत्र दिवस पर वीडियो बनाने का विरोध करने पर आरोपियों ने उसी रात में किशोरी के घर में ईंट-पत्थर फेंके। किशोरी की मां की तहरीर पर पुलिस ने दो युवकों पर बृहस्पतिवार को प्राथमिकी दर्ज की है। भोइसनपुर निवासी जानकी देवी ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि गणतंत्र दिवस पर उनकी बेटी विद्यालय में डांस प्रोग्राम में भाग ले रही थी। गांव के ही सुशील सिंह व अतुल सिंह बेटी का वीडियो बना रहे थे। वीडियो बनाने से मना करने पर आरोपियों ने गाली दी। इसके बाद वहां से भाग गए। रात में उसके घर पर ईंट-पत्थर फेंके।

गांधी जी ने संदेश दिया, बिना हिंसा भी परिवर्तन संभव-केशव

लखनऊ (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी केवल एक व्यक्ति नही बल्कि एक विचार, एक दर्शन और भारत की आत्मा थे। सत्य, अहिंसा, त्याग और सेवा के जिन मूल्यों पर उन्होंने अपने जीवन का निर्माण किया, वही मूल्य आज भी हमारे राष्ट्र के पथप्रदर्शक हैं। महात्मा गांधी ने अपने तप, संघर्ष और आत्मबल से न केवल भारत को स्वतंत्रता दिलाई बल्कि पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि बिना हिंसा के भी बड़े से बड़ा परिवर्तन संभव है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सत्य के मार्ग पर चलकर ही स्थायी शांति और न्याय की स्थापना की जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश स्वच्छ भारत, आत्मनिर्भर भारत और सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है, जो कहीं न कहीं गांधी जी के विचारों का ही आधुनिक स्वरूप है। प्रदेशवासियों से आह्वान करता हूँ कि हम सब उनके दिखाए मार्ग पर चलकर एक सशक्त, समरस और समृद्ध भारत के निर्माण में योगदान दें।

माघ का अंतिम स्नान रवि पुष्य और सर्वार्थ सिद्धि योग में होगा

■ ग्वालियर

माघ पूर्णिमा एक फरवरी रविवार को मनाई जाएगी। इसी दिन माघ पूर्णिमा पर माघ माह का अंतिम स्नान होगा। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि माघी पूर्णिमा को बत्तीस पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस पूर्णिमा के दिन दान-दक्षिणा देने से बत्तीस गुना फल मिलता है, इसलिए माघी पूर्णिमा को 'बत्तीसी पूर्णिमा' भी कहा जाता है। पुत्र और सौभाग्य को देने वाली इस पूर्णिमा को व्रत करने से व्यक्ति सारे दुःखों से छुटकारा और मोक्ष को प्राप्त होता है। इस दिन स्नान, दान और जाप का विशेष महत्व बताया गया है। कहते हैं कि माघी पूर्णिमा पर किया गया स्नान-दान शीघ्र फल देता है।

माघ पूर्णिमा पर बनेंगे शुभ योग: इस दिन रवि पुष्य के साथ-साथ सर्वार्थ सिद्धि योग का भी संयोग बन रहा है। ये दोनों योग बेहद शुभ होते हैं और इस अवधि में शुभ-मांगलिक कार्य करने से जातकों का भाग्योदय होता है। चूंकि माघ पूर्णिमा पर इन योगों का दुर्लभ संयोग बन रहा है। वहीं मकर राशि में सूर्य, मंगल, बुध व शुक्र की युति भी बनी हुई है, जिससे कुछ राशियों को लाभ संभव हैं।

वैदिक पंचांग के अनुसार माघ पूर्णिमा तिथि 1 फरवरी को सुबह 5 बजकर 51 मिनट पर आरंभ होगी और 2 फरवरी को तड़के 3 बजकर 38 मिनट पर इसका समापन होगा। ऐसे में माघ पूर्णिमा 1 फरवरी के दिन मनाई जाएगी।

माघ पूर्णिमा पर रवि पुष्य योग बन रहा है, जोकि सुबह 07:11 से रात 11:59 तक रहेगा। साथ ही इस तिथि पर सर्वार्थ सिद्धि, प्रीति योग और आयुष्मान योग भी रहेगा। इन योगों में किए स्नान, दान और पूजन का शीघ्र फल मिलता है। वहीं इस स्नान के लिए ब्रह्म मुहूर्त को शुभ माना जाता है। पूजा के लिए सुबह 05:24 से 06:33 तक शुभ मुहूर्त रहेगा। वहीं स्नान और पूजन के बाद आप दान कर सकते हैं।

मुझे चढ़ गया राधारानी रंग...

ग्वालियर। अंतिम समय में जब शरीर साथ छोड़ने लगे तो व्यक्ति को सत्संग रूपी गंगा में स्नान करना चाहिए। सत्संग से सद्गुरु की प्राप्ति होती है, जो परमात्मा से मिलन का मार्ग बताते हैं। जैसे मुनि के श्राप से ग्रसित राजा परीक्षित को शुकदेव ऋषि का सानिध्य प्राप्त हुआ तो उन्होंने उनके जीवन के सात बचे हुए दिनों में श्रीमद् भागवत का श्रवण कराया जिससे राजा परीक्षित को तक्षक सर्प के डसने से मृत्यु का भय नहीं रहा। यह बात पं. यतेंद्र कृष्ण शास्त्री ने संत कंवरराम कॉलोनी, मामा का बाजार में श्री राधारानी धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा आयोजित भागवत कथा में गुरुवार को कथा सुनाते हुए कही। उन्होंने देहान्तकाले तुम सामने हो, मुरली बजाते मन को लुभाते..., मुझे चढ़ गया राधारानी रंग...का सुमधुर गायन किया तो भक्त भाव विभोर हो गए। शुकदेव आगमन का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि शिवजी और पार्वती के अलावा सिर्फ एक तोते का अंडा था, जो कथा के प्रभाव से फूट गया। उसमें से शुकदेव का प्राकट्य हुआ। कथा सुनते सुनते पार्वती सो गईं, वह पूरी कथा शुकदेव ने सुनी और अमर हो गए। भगवान शंकर शुकदेव के पीछे उन्हें मृत्युदंड देने के लिए दौड़े। शुकदेव भागते-भागते व्यास जी के आश्रम पहुंचे और उनकी पत्नी के मुंह से गर्भ में प्रविष्ट हो गए। 12 वर्ष बाद शुकदेव का जन्म हुआ। इस अवसर पर रामेन्द्र शिवहरे, सौरभ अग्रवाल, गोपाल दास अग्रवाल, राजू शर्मा, मनोज भदकारिया, अमित सोनी आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भक्ति से मिलती है कष्टों से मुक्ति : शास्त्री

श्रीमद् भागवत मानव जीवन को सही दिशा देने वाला अमूल्य ग्रंथ है। भगवान की सच्ची भक्ति से ही जीवन के समस्त कष्टों का निवारण संभव है। भक्ति से ही मनुष्य के जीवन का कल्याण होता है। यह विचार माधव बाल निकेतन वृद्ध आश्रम में धर्म सभा को संबोधित करते हुए पं. घनश्याम शास्त्री ने व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रदीप भटनागर, हरिओम शर्मा, सीमा सक्सेना, सीमा समाधिया आदि उपस्थित रहे।

हरि नाम संकीर्तन से पापों का होता है नाश : रामेश्वरानंद

जीवित रहने के लिए जितनी आवश्यकता सांस की होती है, उतनी ही आवश्यकता निरंतर हरि नाम सुमिरन की है। हरि नाम संकीर्तन से कई जन्मों के पाप समूल नष्ट हो जाते हैं और सारे भय, कष्ट दूर हो जाते हैं। यह विचार श्री दादाजी धाम धर्मपुरी मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में धर्म सभा को संबोधित करते हुए स्वामी रामेश्वरानंद महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भगवान का स्मरण करने से भयंकर से भयंकर पापी का भी उद्धार होता है। कथा के उपरांत श्रीमद् भागवत जी की आरती हुई एवं प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मंदिर में विराजमान श्री बांके बिहारी जी का वृंदावन की पोशाक से मनमोहक श्रृंगार किया गया।

जया एकादशी पर भगवान चक्रधर का हुआ श्रृंगार

श्री सनातन धर्म मंदिर में गुरुवार को जया एकादशी पर भगवान चक्रधर का मनोहारी श्रृंगार किया गया। मुख्य पुजारी पंडित रमाकांत शास्त्री ने भगवान चक्रधर को सुनहरी किनारी की पीली पगड़ी, मोरपंख, मकराकृत कुण्डल, मोतियों से जड़ा कण्ठा, कमल पुष्प, गेंदा पुष्पमाला, सुनहरी पीत वर्ण पोशाक धारण कराई। इसके बाद भक्तों को एकादशी व्रत की कथा सुनाई। संध्या आरती के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया।

राम महाराज की श्रीमद भागवत कथा कल से

श्री सनातन धर्म मंदिर में भागवताचार्य राम महाराज 31 जनवरी से 6 फरवरी तक श्रीमद् भागवत कथा सनाएंगे। 31 जनवरी को सुबह 10 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी। कथा का समय दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक रहेगा।

सकल ब्राह्मण परिचय सम्मेलन एक को

सकल ब्राह्मण महासमिति द्वारा एक फरवरी को चेम्बर भवन में ब्राह्मण युवक- युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें देशभर के ब्राह्मण शामिल होंगे। कार्यक्रम के लिए भूमि पूजन 30 जनवरी को दोपहर 3 बजे चेम्बर भवन में किया जाएगा। जिसके मुख्य अतिथि पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर होंगे। समिति के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. जयवीर भारद्वाज ने बताया कि एक फरवरी को आने वाले सभी लोगों को गंगाजल पिलाया जाएगा। इसके बाद तिलक कर तिल का लड्डू दिया जाएगा।

समय पर काम पूरा करने एक अधिकारी को रोज सुनने होंगे 150 मामले

■ **तार्किक विसंगतियों वाले मतदाताओं की सुनवाई बड़ी चुनौती**

■ ग्वालियर

जिले में तार्किक विसंगतियों वाले मतदाताओं की सुनवाई समय-सीमा में पूरी करना प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती बन गया है। आयोग द्वारा सुनवाई के लिए कुल 135 अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि सुनवाई कर निराकरण की अंतिम तिथि 14 फरवरी तय की गई है। सीमित समय और भारी संख्या को देखते हुए अधिकारियों पर कार्य का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

जानकारी के अनुसार जिले में तार्किक विसंगति वाले मतदाताओं की कुल संख्या 3,21,817 है। इन सभी मतदाताओं को नोटिस जारी कर व्यक्तिगत सुनवाई की जानी है। वर्तमान स्थिति में अधिकारियों के पास कुल 16 दिन शेष हैं, लेकिन यदि इसमें रविवार के अवकाश को घटा दिया जाए, तो केवल 14 कार्यदिवस ही उपलब्ध रह जाते हैं। इस आधार पर एक अधिकारी को प्रतिदिन 150 से अधिक मतदाताओं की सुनवाई करनी होगी। उधर, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) भोपाल द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिले की प्रगति की समीक्षा की गई। सीईओ ने निर्देश दिए कि हर हाल में सभी मतदाताओं तक समय पर नोटिस पहुंचना चाहिए, ताकि सुनवाई प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो। सीईओ के निर्देशों के बाद जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा नोटिस जनरेट करने का कार्य तेज कर दिया गया है। गुरुवार को करीब 15 हजार मतदाताओं के नोटिस डाउनलोड कर वेंडर को प्रिंटिंग के लिए भेजे गए। प्रशासन का प्रयास है कि नोटिस वितरण में देरी न हो, ताकि सुनवाई प्रक्रिया सुचारु रूप से आगे बढ़ाई जा सके।

मंच पर आज तलाशेंगे अपने बच्चों के लिए जीवन साथी

ग्वालियर, । अग्रवाल परिचय सम्मेलन का आयोजन शुक्रवार को आगरा में होने जा रहा है। जिसमें अग्रवैश्य बंधु अपने बच्चों के लिए उनके जीवन साथी की मंच पर तलाश करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने कहा कि अपने बच्चों के लिए हम सभी को मंच पर आना होगा। साथ ही सामाजिक एकता का परिचय भी देना होगा। उन्होंने इस आयोजन के लिए ग्वालियर सहित अन्य शहरों से 300 युवक-युवतियों के बायोडाटा भी आ चुके हैं। इस संबंध में एक बैठक का आयोजन गुरुवार को शिंदे की छावनी में किया गया, जिसमें कार्यक्रम को लेकर योजना तैयार की गई। इस अवसर पर मुकेश सिंघल, महावीर अग्रवाल, महेश जौहरी, राजेश गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

रिश्वत देकर मुकरा ठेकेदार, सीजेएम न्यायालय में चलेगा मुकदमा

■ ग्वालियर

लोक निर्माण विभाग के ठेकेदार ने 11 वर्ष पूर्व रिश्वत देकर शिक्षा विभाग के बाबू को पकड़वाया था, लेकिन बाद में वह न्यायालय में अपने बयान से पलट गए और बाबू को पहचानने से इनकार कर दिया जिससे वह बरी हो गया। न्यायालय ने इस मामले की सुनवाई के बाद नाराजगी जताते हुए ठेकेदार के खिलाफ सीजेएम न्यायालय में परिवाद पत्र प्रस्तुत कर मुकदमा चलाने के आदेश जारी किए हैं।

11 वर्ष पहले पीडब्ल्यूडी के ठेकेदार राजेंद्र सिंह जादौन ने लोकायुक्त में लिखित शिकायत की उन्होंने पीडब्ल्यूडी में टेंडर से महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय मुरार में कमरों के निर्माण का ठेका लिया है। काम पूरा होने पर उन्हें 11.9 लाख रुपए का चेक मिलना है, लेकिन शिक्षा विभाग का बाबू प्रमोद गर्ग उर्फ प्रबुद्ध गर्ग उनसे 7 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे हैं। इस पर लोकायुक्त पुलिस ने जादौन से सभी दस्तावेज लेकर वॉइस रिकॉर्डिंग कराकर 31 दिसंबर 2014 को बाबू को पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। जिसमें अशोक श्रीवास्तव पंच साक्षी बने, लेकिन न्यायालय में अभियोग पत्र पेश होने पर राजेंद्र जादौन और अशोक श्रीवास्तव कथन से मुकर गए। यहां तक कि पकड़े गए बाबू प्रमोद गर्ग उर्फ प्रबुद्ध को पहचानने से इनकार कर दिया। जिस कारण वह 28 जुलाई 2022 को न्यायालय से बरी हो गए। बाद में लोकायुक्त भोपाल की ओर से राजेंद्र सिंह जादौन के पक्षद्रोही होने के खिलाफ न्यायालय में वाद दायर किया गया। जिस पर सुनवाई के बाद विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम साबिर अहमद खां ने राजेंद्र जादौन के खिलाफ सीजेएम के यहां बीएनएस की धारा 210 (1)(क) के तहत परिवाद पत्र प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए हैं। जबकि अशोक श्रीवास्तव को इस मामले में शामिल नहीं किया गया।

फर्जी बीमा राशि हड़पने के आरोपियों की जमानत खारिज

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम साबिर अहमद खान ने फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के जरिए बीमा राशि हड़पने के आरोपियों दीपमाला मिश्रा एडवोकेट एवं जिग्नेश प्रजापति के अग्रिम जमानत आवेदन खारिज कर दिए हैं। इन दोनों के खिलाफ ईओडब्ल्यू भोपाल द्वारा 16 जनवरी 2026 को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में फर्जीवाड़ा कर फर्जी कूटरचित मृत्यु प्रमाण पत्रों के जरिए अपात्र नोमिनियों के खातों में बड़ी राशि हस्तांतरित कर ली गई थी। फरियादी शंकर लाल गोस्वामी की शिकायत पर यह प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपी दीपमाला एवं जिग्नेश प्रजापति की ओर से अग्रिम जमानत आवेदन दायर किए गए जिन्हें न्यायालय ने खारिज कर दिया।

न्यू लाइफ लाइन अस्पताल पर 50 हजार का जुर्माना

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुरेश सरनाम ने न्यू लाइफ लाइन अस्पताल चितोरा रोड बड़ागांव पर 50 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया है। नोडल अधिकारी रहते डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने 19 दिसंबर 2019 को न्यू लाइफ लाइन अस्पताल का निरीक्षण किया था। जिसमें पलंग संख्या 100 के बजाय 25 निकली, वहीं लाइसेंस संबंधी अनेक अनियमिताएं पाई गईं। चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ नहीं मिला। बाद में सीएमएचओ की ओर से 15 जनवरी 2020 को न्यायालय में परिवाद पत्र पेश किया गया। सुनवाई के बाद न्यायालय ने अस्पताल संचालक योगेश कुमार पर 50 हजार रुपए का अर्थदंड आरोपित किया है।

गंदगी पर 15 हजार का जुर्माना कर्मचारी निलंबित

ग्वालियर। दक्षिण विधानसभा अंतर्गत नगर निगम की सफाई व्यवस्था पर गुरुवार को अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने वार्ड 50, 52 एवं 55 में साफ-सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर गंदगी मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और जिम्मेदार कर्मचारियों व अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वार्ड 55 में 6 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इस लापरवाही पर अपर आयुक्त ने सभी कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। वहीं वार्ड क्रमांक 52 के मुख्य मार्ग पर जगह-जगह कचरे के ढेर और अत्यधिक गंदगी मिलने पर अपर आयुक्त ने डब्ल्यूएचओ वार्ड 52 रवि चंडालिया (नियमित सफाई संरक्षक) को निलंबित करने के निर्देश दिए गए।

मुरार में 7 हजार वर्गफुट हॉल किराए पर देने की तैयारी

■ **सफाई, सड़क और नाला निर्माण में लापरवाही पर अधिकारियों को सख्त निर्देश**

■ ग्वालियर

निगमायुक्त संघ प्रिय ने मुरार बारादरी स्थित नगर निगम भवन का औचक और सघन निरीक्षण कर निगम की निष्क्रिय संपत्तियों को राजस्व में बदलने के साफ संकेत दे दिए हैं। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने दुकानों के ऊपर बने लगभग 7 हजार स्क्वायर फीट के खाली हॉल का बारीकी से अवलोकन किया और निर्देश दिए कि हॉल की तत्काल मरम्मत कराकर उसे किराए अथवा लीज पर आवंटित किया जाए।

यह हॉल पूर्व में कल्याण हॉस्पिटल के अधीन था, जिसे निगम द्वारा खाली कराया गया था। लंबे समय से यह बहुमूल्य संपत्ति यूं ही खाली पड़ी हुई थी। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने इस स्थिति पर नाराजगी जताते हुए सहायक यंत्री अमित गुप्ता को हॉल की शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश दिए। वहीं मरम्मत के बाद आवंटन प्रक्रिया पूरी करने की जिम्मेदारी नोडल अधिकारी राजस्व को सौंपी गई।

निरीक्षण के दौरान मुरार क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया। कई स्थानों पर साफ-सफाई को लेकर असंतोष जाहिर करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को चेतावनी भरे लहजे में निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सड़कों की स्थिति का निरीक्षण कर जहां-जहां जरूरत थी वहां तत्काल पेंचवर्क कराने के निर्देश भी दिए गए। इसके बाद निगमायुक्त ने वार्ड 19 के अटल नगर एवं रचना नगर में प्रस्तावित नाले के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नाले का निर्माण शीघ्र शुरू कर जनता को जलभराव की समस्या से राहत दी जाए। इसी वार्ड 18 के दीनदयाल नगर में सिंधिया स्टैच्यू से दाने बाबा तक प्रस्तावित सड़क निर्माण का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निगमायुक्त ने अनिल भाटिया परिसर में भी नाला निर्माण को लेकर अधिकारियों को आवश्यक तकनीकी और प्रशासनिक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त प्रदीप तोमर, कार्यपालन यंत्री सुरेश अहिरवार, सहायक यंत्री अमित गुप्ता आदि मौजूद थे।

वार्षिक उत्सव विद्यार्थियों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्साः डॉ. शैला सप्रे

■ ग्वालियर

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित आठ दिवसीय वार्षिक उत्सव का बुधवार को भव्य एवं रंगारंग वातावरण में समापन हुआ। समापन समारोह की मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. शैला सप्रे रहीं। उन्होंने कहा कि वार्षिक उत्सव विद्यार्थियों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है, क्योंकि यही मंच उनकी छिपी प्रतिभाओं को निखारने और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। डॉ. सप्रे ने महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. डॉ. आर.के.एस. धाकड़ को बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में महाविद्यालय में शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर नवाचार किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में एमबीबीएस 2025 बैच के विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने दर्शकों का मन मोह लिया। समापन सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल एवं प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से अधिष्ठाता प्रो. डॉ. आर.के.एस. धाकड़, अधीक्षक डॉ. सुधीर सक्सैना, सेलीब्रेशन चेयरपर्सन डॉ. वृंदा जोशी, डॉ. गजेंद्र पाल सिंह ऊइके, स्टूडेंट यूनियन प्रेसिडेंट सौम्या गुप्ता, श्योपुर चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विपेंद्र भदकारिया, डॉ. प्रियमवदा भसीन, डॉ. सुधा आयंगर, डॉ. अखिलेश त्रिवेदी, डॉ. आर.एस. बाजौरिया, डॉ. अवधेश दिवाकर, डॉ. अमित निरंजन, डॉ. प्रवेश सिंह भदौरिया सहित अन्य मौजूद रहे।

'समाज के लोगों को रोजगार दिलाने का करेंगे प्रयास'

ग्वालियर। ऑल इंडिया कायस्थ महासभा के संभागीय कार्यालय का उद्घाटन लक्ष्मीगंज स्थित कमलेश सदन पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय जोहरी रहे। इस मौके पर भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि समाज के सभी लोग मिलकर समाज में व्याप्त बेरोजगारी और असमानता को दूर करने का के लिए कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि महासभा का यह प्रयास है कि हमारे समाज के परिवारों के बच्चे बेरोजगार न रहे इसके लिए हमारा जो संकल्प है वह जारी रहेगा। कायस्थ समाज केवल नौकरी पर निर्भर न रहकर अपना स्वयं का रोजगार करने का भी प्रयास करे, तभी समाज उन्नति करेगा।

फूलबाग में सड़क का गढ्डा निगम ने तुरंत भरा

ग्वालियर। फूलबाग क्षेत्र में जीडीए कार्यालय के सामने पानी की लाइन के कारण सड़क पर बने छोटे गड्ढे को नगर निगम ग्वालियर ने आम नागरिकों की सुविधा को देखते हुए तत्काल भरवा दिया। यह गड्ढा फूलबाग से साईं बाबा की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर था, जिससे वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कार्यपालन यंत्री सुशील कटारे ने बताया कि पानी की लाइन के कारण सड़क की सतह धंस गई थी और छोटा गड्ढा बन गया था। जैसे ही इसकी जानकारी निगमायुक्त संघ प्रिय को मिली तो उनके निर्देश पर तत्काल सुधार कार्य कराया गया और गड्ढे को भरकर सड़क को सुचारु कर दिया गया। उधर, सुधार कार्य से पहले कांग्रेस नेता सुनील शर्मा मौके पर पहुंचे और निगम के खिलाफ नारेबाजी की। हालांकि नगर निगम द्वारा तत्परता दिखाते हुए तत्काल कार्रवाई किए जाने से क्षेत्र में यातायात की समस्या का समाधान हो गया।

जैन पॉपकॉर्न फैक्ट्री सील, तालाबंदी होते ही जमा कराया टैक्स

■ ग्वालियर

नगर निगम द्वारा संपत्तिकर वसूली के निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए बड़े बकायदारों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को नगर निगम अधिकारियों ने अभियान चलाकर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 65, गिरवाई एबी रोड स्थित जैन पॉपकॉर्न फैक्ट्री पर तालाबंदी की कार्रवाई की। उपायुक्त रजनीश गुप्ता के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में बकाया संपत्तिकर के चलते फैक्ट्री परिसर को सील कर दिया गया। निगम अमले द्वारा कारखाने को बंद कर तालाबंदी किए जाने के बाद मौके पर ही फैक्ट्री संचालक मनीष जैन ने संपत्तिकर की बकाया राशि का चेक के माध्यम से भुगतान किया। साथ ही शेष बकाया राशि जमा करने के लिए 10 दिन का समय मांगा गया है। कार्रवाई के दौरान राजस्व निरीक्षक शैलेन्द्र चौहान, कर संग्रहकर्ता वार्ड 65 इंदर सिंह कुशवाह, आर्यन गुप्ता, यतीश मौर्य (सहायक टीसी) तथा प्रशांत पाण्डेय और चंद्रकांत कुशवाह मौजूद रहे।

डॉ. पारुल दीक्षित की शास्त्रीय प्रस्तुतियों ने बांधा समां

राग बैरागी भैरवी के सुरों संग आईटीएम में हुआ बसंतोत्सव सप्ताह का समापन

■ ग्वालियर

आईटीएम विश्वविद्यालय में बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में आयोजित बसंतोत्सव सप्ताह का समापन शास्त्रीय संगीत की सुरमयी संध्या के साथ हुआ। उस्ताद अल्लाउदीन खान (बाबा मैहर) ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में बनारस घराने की सुप्रसिद्ध शास्त्रीय संगीत गायिका डॉ. पारुल दीक्षित ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

डॉ. दीक्षित ने कार्यक्रम की शुरुआत राग बैरागी भैरवी में मां सरस्वती की वंदना मां शारदे जगत जननी से की। इसके पश्चात उन्होंने राग बसंत को एकताल में प्रस्तुत कर बसंत ऋतु का जीवंत चित्रण किया। ठुमरी, होरी और दादरा की प्रस्तुतियों में मौरी आई री तू बसंत एवं रांग डारूंगी नंद के लालन पै... जैसे गीतों ने पूरे सभागार को उल्लास से भर दिया।

तबले पर पांडूरंग तेलंग एवं हारमोनियम पर विवेक जैन ने सशक्त संगत की। इस अवसर पर आईटीएम के फाउंडर चांसलर रमाशंकर सिंह, चांसलर रुचि सिंह, प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, वाइस चांसलर प्रो. डॉ. योगेश उपाध्याय, रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, डीएसडब्ल्यू तृप्ति पाठक, डीन एकेडमिक डॉ. रंजीत सिंह तोमर, डॉ. संजय जोथे, डॉ. मनीष जैसल सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक एवं संगीत रसिक उपस्थित रहे।

खिलौने पाकर बच्चों के चेहरे पर आई मुस्कान

ग्वालियर। श्वान सोशल फाउंडेशन द्वारा संचालित कृष्णालय दिव्यांग चाइल्ड केयर स्कूल में गुरुवार को दिव्यांग बच्चों को खिलौने का वितरण किया गया। जिन्हें पाकर बच्चों के चेहरों पर मुस्कान आ गई। यह खिलौने वरिष्ठ समाजसेवी तृप्ति भटनागर ने बच्चों को दिए। साथ ही बच्चों को भोजन के पैकेट भी दिए गए। अतिथियों का स्वागत नम्रता सक्सेना ने किया। इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र सिंह राजावत सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

बिटिया सेल्फी अवार्ड में चेतना यादव प्रथम

ग्वालियर। बेटी है तो कल है सामाजिक संस्था परिवार द्वारा गत दिवस बिटिया सेल्फी अवार्ड का आयोजन केशर टॉवर परिसर में किया गया। सेल्फी अवार्ड में प्रथम चेतना यादव, द्वितीय नीलम कुशवाह, तृतीय स्थान पर नेहा मित्तल रहीं। वहीं पिता पुत्री सेल्फी अवॉर्ड में प्रथम विनोद चौरसिया, द्वितीय सुनील अग्रवाल, तृतीय जितेंद्र सिकरवार एवं राजेश शर्मा का परिवार रहा। वहीं फैमिली सेल्फी में प्रथम भास्कर शर्मा, द्वितीय करण मिश्रा और कोमल मोरे, तृतीय अवधेश मंगल रहे। साथ ही सास-बहू सेल्फी अवॉर्ड में प्रथम तृप्ति भटनागर एवं द्वितीय गंगोत्री देवी का परिवार रहा। इस अवसर पर अतिथियों के रूप में विदिता डागर, भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, पूर्व अध्यक्ष कमल माखीजानी, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, योगेंद्र सिंह तोमर आदि उपस्थित रहे। संचालन भूपेन्द्र प्रेमी एवं आभार डॉ. वंदना शर्मा ने व्यक्त किया।

सम्पादकीय

अति आशावाद से बचें

देश में आम बजट से पहले सामने आने वाले आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को लचीला व गतिशील बनाने पर बल दिया गया है। यह सर्वेक्षण उन चुनौतियों की ओर भी इशारा करता है, जिनके लिए सावधानीपूर्वक नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता है। दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में चालू वित्तीय वर्ष में भारत के सकल घरेलू उत्पाद दर यानी जीडीपी के 7.4 रहने का भरोसा जताया गया है। वहीं आर्थिक सर्वेक्षण वित्तीय वर्ष 2026-27 में विकास वृद्धि दर के 6.8 से 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इस अनुमान में सीमापरक तनाव, व्यापार में व्यवधान और वैश्विक बाजारों में अस्थिरता को भी ध्यान में रखा गया है। निश्चित रूप से यह सावधानीपूर्वक दशार्या गया आशावादी दृष्टिकोण घरेलू मांग, उपभोग और निवेश की मजबूती को ही दशार्ता है। इसके बावजूद कि तमाम बाहरी जोखिम विद्यमान हैं, मसलन टैरिफ को लेकर आपूर्ति श्रृंखला में तनाव व देश की अपेक्षाओं का संतुलन बनाना शामिल है। यह सार्थक है कि सर्वेक्षण यथार्थवाद को नजरअंदाज नहीं करता है, जो यह भी दशार्ता है कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था पूंजी प्रवाह व मुद्रा की ताकत से ही सफलता सुनिश्चित नहीं होती। यह भी हकीकत है कि एआई जैसी नई तकनीकों से होने वाले लाभ असमानता को ही बढ़ावा देते हैं। लेकिन इसके लिये भी सहायक मानव संसाधन और विनियामक ढांचे की जरूरत होती है। खासकर भारत जैसे देश में जहां श्रम शक्ति का बाहुल्य है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि हम दुनिया में सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश होने का लाभ उठाएं। इसके लिये कौशल विकास को प्राथमिकता देने की सख्त जरूरत है, जिससे हम गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी उत्पादों के जरिये विश्व में आर्थिक स्पर्धा का मुकाबला कर सकें। ये कदम हमारे निर्यात बढ़ाने में भी सहायक हो सकते हैं। कालांतर में ये हमारे व्यापार घाटे को कम करने में भी मददगार साबित हो सकता है। इसमें दो राय नहीं है कि हालिया आर्थिक सर्वेक्षण के जरिये एक महत्वाकांक्षी रोड मैप बनाने का प्रयास किया गया है, जिसके अंतर्गत स्वदेशी अभियान को तरजीह देने से लेकर रणनीतिक लचीलेपन और रणनीतिक अनिवार्यता भारत की आर्थिक क्षमता की परीक्षा लेने वाला साबित हो सकता है। लेकिन इसके लिये जरूरी है कि भारत में उत्पादित वस्तुओं की साख को अंतर्राष्ट्रीय आकांक्षाओं के अनुरूप बनाया जाए। निस्संदेह, विश्व में भारतीय उत्पाद खरीदने के बारे में सोचने से स्थिति को बिना सोचे भारतीय उत्पाद खरीदने वाली सोच विकसित करना एक बड़ी चुनौती होगी। इस स्थिति के लिये हमें विनिर्माण क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्धता की सख्त जरूरत होगी। निस्संदेह, हाल ही में यूरोपीय संघ के साथ संपन्न हुए ऐतिहासिक समझौते को लेकर अर्थव्यवस्था में खासा उत्साह देखा जा रहा है, जिसके अर्थव्यवस्था में दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव की उम्मीद की जा रही है। वहीं दूसरी ओर लंबे समय से लटके हुए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता लगातार बनी हुई है। सर्वेक्षण में इस बाबत कहा गया है कि इस वित्तीय वर्ष में इस एफटीए के सिरे चढ़ने की उम्मीद है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था का लाभ आम आदमी को कितना मिलता है। सवाल यह भी है कि दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था का लाभ आम आदमी के जीवन को बदलने में कितना मददगार होगा। एआई और तकनीक क्रांति के दौर में भारतीय विपुल श्रम शक्ति का बेहतर उपयोग कैसे हो सकता है। भारत दुनिया में सबसे युवा श्रम शक्ति वाला देश है तो क्या हम उनकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप रोजगार देने में सक्षम होंगे, ताकि वे विकसित भारत के संकल्प में अपना योगदान दे सकें। जरूरत इस बात की है कि देश में बेरोजगारी की दर कम हो और युवाओं के विदेश पलायन की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिये पहल की जाए। वहीं दूसरी ओर फिसलन वाली जमीन पर चलते हुए सर्वेक्षण में दो दशक पुराने सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों में बदलाव की मंशा जतायी गई है। निस्संदेह, ऐसे किसी बदलाव का आधार तार्किक होना चाहिए।

माखनलाल जी ने देखा था पत्रकारिता विश्वविद्यालय का सपना

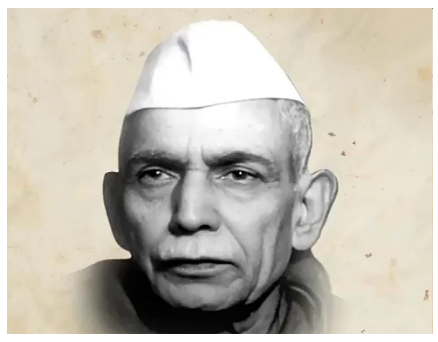

माखनलाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे कवि, लेखक, पत्रकार, संपादक, स्वतंत्रता सेनानी अनेक भूमिकाओं में सामने आते हैं। वे अप्रतिम वक्ता भी थे। इसलिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उनके बारे में कहा-हम सब लोग तो बात करते हैं, बोलना (भाषण) तो माखनलाल जी ही जानते हैं। जनसंचार और पत्रकारिता की शिक्षा आज एक विशिष्ट अनुशासन बन चुकी है। देश में पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा पर केंद्रित चार विश्वविद्यालय कार्यरत हैं, लेकिन हमें यह जानना चाहिए कि पं. माखनलाल चतुर्वेदी ने ही सबसे पहले पत्रकारिता विद्यापीठ (विश्वविद्यालय) का सपना देखा था। उन्होंने भरतपुर(राजस्थान) में 1927 में आयोजित संपादक सम्मेलन में कहा था-हिंदी समाचार पत्रों में कार्यालय में योग्य व्यक्तियों के प्रवेश कराने के लिए, एक पाठशाला आजकल के नए नामों की बाढ़ में से कोई शब्द चुनिए तो कहिए कि एक संपादन कला के विद्यापीठ की आवश्यक्ता है। ऐसी विद्यापीठ किसी योग्य स्थान पर बुद्धिमान, परिश्रमी, अनुभवी, संपादक-शिक्षकों द्वारा संचालित होना चाहिए। उक्त पीठ में अन्यान्य विषयों का एक प्रकांड ग्रंथ संग्रहालय होना चाहिए। यह संयोग ही है कि उनके इस स्वप्न को 1990 में मध्यप्रदेश सरकार ने साकार करते हुए उनके नाम पर ही भोपाल में पत्रकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना की। बाद के दिनों में रायपुर में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय और जयपुर में हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। इसके साथ ही दो साल पूर्व भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) को भी डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिल चुका है। यह बात बताती है कि हमारे पुरखे किस तरह अपनी विधा को अकादमिक रुप से स्थापित होते देखना चाहते थे।

> ***यह संयोग ही है कि उनके इस स्वप्न को 1990 में मध्यप्रदेश सरकार ने साकार करते हुए उनके नाम पर ही भोपाल में पत्रकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना की। बाद के दिनों में रायपुर में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय और जयपुर में हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। इसके साथ ही दो साल पूर्व भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) को भी डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिल चुका है। यह बात बताती है कि हमारे पुरखे किस तरह अपनी विधा को अकादमिक रुप से स्थापित होते देखना चाहते थे। माखनलाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे कवि, लेखक, पत्रकार, संपादक, स्वतंत्रता सेनानी अनेक भूमिकाओं में सामने आते हैं। वे अप्रतिम वक्ता भी थे। इसलिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उनके बारे में कहा-हम सब लोग तो बात करते हैं, बोलना (भाषण) तो माखनलाल जी ही जानते हैं। इतना ही नहीं राष्ट्रपिता ने कहा- मैं बाबई जैसे छोटे स्थान पर इसलिए जा रहा हूं क्योंकि वह माखनलालजी का जन्मस्थान है। जिस भूमि ने माखनलालजी को जन्म दिया, उसी भूमि को मैं सम्मान देना चाहता हूं। यह संयोग ही है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और माखनलाल जी पुण्यतिथि एक ही दिन 30 जनवरी को मनाई जाती है। चर्चित शायर श्री फिराक गोरखपुरी भी माखनलाल जी कलम के प्रशंसक थे। उनका कहना था कि-उनके लेखों को पढ़ने से ऐसा मालूम होता था कि आदि-शक्ति शब्दों के रूप में अवतरित हो रही है या गंगा स्वर्ग से उतर रही है। यह शैली हिंदी में ही नहीं, भारत की दूसरी भाषाओं में भी विरले ही लोगों को नसीब हुई है। मुझ जैसे हजारों लोंगो ने अपनी भाषा और लिखने की कला माखनलाल जी से ही सीखी। पं. माखनलाल चतुर्वेदी के संपादन में निकला कर्मवीर एक ऐसा पत्र है, जिसकी धमक हम आज भी महसूस करते हैं। हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में कर्मवीर एक ऐसा नाम है, जिसे छोड़कर भारतीय पत्रकारिता का समग्र मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। इसी तरह उसके संपादक पं. माखनलाल चतुर्वेदी और उनकी संपूर्ण जीवनयात्रा, आत्मसमर्पण के खिलाफ लड़ने वाले संपादक की यात्रा है। वस्तुतः वे एक साथ कई मोर्चों पर लड़ रहे थे और कोई मोर्चा ऐसा न था, जहां उन्होंने अपनी छाप न छोड़ी हो। सही मायने में कर्मवीर के संपादक ने अपने पत्र के नाम को सार्थक किया और माखनलाल जी स्वयं कर्मवीर बन गए। 4 अप्रैल, 1889 को होशंगाबाद(मप्र) के बाबई जिले में जन्में माखनलालजी ने जब पत्रकारिता शुरू की तो सारे देश में राष्ट्रीय आंदोलन का प्रभाव देखा जा रहा था। राष्ट्रीयता एवं समाज सुधार की चचाएं और फिरंगियों को देश बदर करने की भावनाएं बलवती थीं। इसी के साथ महात्मा गांधी जैसी तेजस्वी विभूति के आगमन ने सारे आंदोलन को एक नई ऊर्जा से भर दिया। दादा माखनलाल जी भी उन्हीं गांधी भक्तों की टोली में शामिल हो गए। गांधी के जीवन दर्शन से अनुप्राणित दादा ने रचना और कर्म के स्तर पर जिस तेजी के साथ राष्ट्रीय आंदोलन को ऊर्जा एवं गति दी वह महत्व का विषय है।***

माखनलाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे कवि, लेखक, पत्रकार, संपादक, स्वतंत्रता सेनानी अनेक भूमिकाओं में सामने आते हैं। वे अप्रतिम वक्ता भी थे। इसलिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उनके बारे में कहा-हम सब लोग तो बात करते हैं, बोलना (भाषण) तो माखनलाल जी ही जानते हैं। इतना ही नहीं राष्ट्रपिता ने कहा- मैं बाबई जैसे छोटे स्थान पर इसलिए जा रहा हूं क्योंकि वह माखनलालजी का जन्मस्थान है। जिस भूमि ने माखनलालजी को जन्म दिया, उसी भूमि को मैं सम्मान देना चाहता हूं। यह संयोग ही है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और माखनलाल जी पुण्यतिथि एक ही दिन 30 जनवरी को मनाई जाती है। चर्चित शायर श्री फिराक गोरखपुरी भी माखनलाल जी कलम के प्रशंसक थे। उनका कहना था कि-उनके लेखों को पढ़ने से ऐसा मालूम होता था कि आदि-शक्ति शब्दों के रूप में अवतरित हो रही है या गंगा स्वर्ग से उतर रही है। यह शैली हिंदी में ही नहीं, भारत की दूसरी भाषाओं में भी विरले ही लोगों को नसीब हुई है। मुझ जैसे हजारों लोंगो ने अपनी भाषा और लिखने की कला माखनलाल जी से ही सीखी। पं. माखनलाल चतुर्वेदी के संपादन में निकला कर्मवीर एक ऐसा पत्र है, जिसकी धमक हम आज भी महसूस करते हैं। हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में कर्मवीर एक ऐसा नाम है, जिसे छोड़कर भारतीय पत्रकारिता का समग्र मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। इसी तरह उसके संपादक पं. माखनलाल चतुर्वेदी और उनकी संपूर्ण जीवनयात्रा, आत्मसमर्पण के खिलाफ लड़ने वाले संपादक की यात्रा है। वस्तुतः वे एक साथ कई मोर्चों पर लड़ रहे थे और कोई मोर्चा ऐसा न था, जहां उन्होंने अपनी छाप न छोड़ी हो। सही मायने में कर्मवीर के संपादक ने अपने पत्र के नाम को सार्थक किया और माखनलाल जी स्वयं कर्मवीर बन गए। 4 अप्रैल, 1889 को होशंगाबाद(मप्र) के बाबई जिले में जन्में माखनलालजी ने जब पत्रकारिता शुरू की तो सारे देश में राष्ट्रीय आंदोलन का प्रभाव देखा जा रहा था। राष्ट्रीयता एवं समाज सुधार की चचाएं और फिरंगियों को देश बदर करने की भावनाएं बलवती थीं। इसी के साथ महात्मा गांधी जैसी तेजस्वी विभूति के आगमन ने सारे आंदोलन को एक नई ऊर्जा से भर दिया। दादा माखनलाल जी भी उन्हीं गांधी भक्तों की टोली में शामिल हो गए। गांधी के जीवन दर्शन से अनुप्राणित दादा ने रचना और कर्म के स्तर पर जिस तेजी के साथ राष्ट्रीय आंदोलन को ऊर्जा एवं गति दी वह महत्व का विषय है। इस दौर की पत्रकारिता भी कमोबेश गांधी के विचारों से खासी प्रभावित थी। हिंदी पत्रकारिता का वह जमाना ही अजीब था। आम कहावत थी झ जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो। और सच में अखबार की ताकत का अहसास आजादी के दीवानों को हो गया था। इसी के चलते स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े नेताओं ने अपने पत्र निकाले। जिनके माध्यम से ऐसी जनचेतना पैदा की कि भारत आजादी की सांस ले सका। वस्तुतः इस दौर में अखबारों का इस्तेमाल एक अस्त्र के रूप में हो रहा था। माखनलाल जी ने 1913 में प्रभा नाम की एक उच्चकोटि की पत्रिका के माध्यम से साहित्यिक पत्रकारिता में भी सार्थक हस्तक्षेप किया। लोगों को झकझोरने एवं जगानेवाली रचनाओं के प्रकाशन के माध्यम से प्रभा हिंदी जगत का एक जरूरी नाम बन गयी। दादा की 56 सालों की ओजपूर्ण पत्रकारिता की यात्रा में प्रताप, प्रभा व कर्मवीर उनके विभिन्न पड़ाव रहे। साथ ही उनकी राजनीतिक वरीयता भी बहुत उंची थी। वे बड़े कवि थे, पत्रकार थे पर उनके इन रूपों पर राजनीति कभी हावी न हो पायी। इतना ही नहीं जब प्राथमिकताओं की बात आयी तो मप्र कांग्रेस का वरिष्टतम नेता होने के बावजूद उन्होंने सत्ता में पद लेने के बजाए मां सरस्वती की साधना को ही प्राथमिकता दी। आजादी के बाद 30 अप्रैल, 1968 तक वे जीवित रहे पर सत्ता का लोभ उन्हें स्पर्श भी नहीं कर पाया। इतना ही नहीं 1967 में भारतीय संसद द्वारा राजभाषा विधेयक पारित होने के बाद उन्होंने राष्ट्रपति को वह पद्मभूषण का अलंकरण भी लौटा दिया जो उन्हें 1963 में दिया गया था। वे समझौतों के खिलाफ लोगों में चेतना जगाते रहे।

यू.जी.सी. इक्विटी रैगुलेशन, उलटी दिशा में सफर

मिहिर भोले

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वीरवार यू.जी.सी. विनियम 2026 पर स्टे लगाने के बाद देश के हर सामान्य नागरिक विशेषकर छात्रों और शिक्षकों ने राहत की सांस ली है। उसकी जगह कोर्ट ने अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए फिलहाल पूर्ववर्ती 2012 के नियम को लागू कर दिया है। मार्च के महीने में 2026 के विनियम पर विस्तृत सुनवाई होगी। लेकिन माननीय मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जॉयमाला बागची की खंडपीठ ने इसके बारे में जो टिप्पणियां की हैं, वे काफी गंभीर और विचारणीय हैं। उन्होंने जाति से जुड़े कुछ आधारभूत प्रश्न किए हैं। यू.जी.सी. के इस भेदभावपूर्ण विनियम के आलोक में माननीय सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी कि क्या हम उल्टी दिशा में जा रहे हैं, अपने आप में बड़े प्रश्न खड़े करती है। खंडपीठ ने कहा कि हमें एक जातिविहीन समाज की ओर बढना चाहिए लेकिन हम आजादी के 75 साल बाद भी जाति की जंजीरों में जकड़े हुए हैं। क्या पिछले 75 वर्षों में हमने जो कुछ हासिल किया, उसको गंवाना चाहते हैं? यह चिंताजनक है। भारत का संविधान एक समावेशी समाज बनाने पर बल देता है। जातिवाद के खिलाफ हमने बड़े कदम उठाए हैं। जिस किसी को भी सुरक्षा की जरूरत है वह उसको मिलनी चाहिए। जहां तक इस विनियम का प्रश्न है, तो प्रथम दृष्टया यह अस्पष्ट दिखता है। कानून के विशेषज्ञों को इसकी भाषा को स्पष्ट करने की जरूरत है। अपने वर्तमान स्वरूप में इस विनियम के दुरुपयोग की संभावनाएं हैं और यह संविधान की धारा 31 सी को चुनौती देता है। ये वही प्रश्न थे जो हर किसी को खटक रहे थे। वास्तव में उच्च शिक्षा व्यवस्था से यह अपेक्षा की जाती है कि वह समाज को बांटने वाले पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर ज्ञान, विवेक और मुक्त चिंतन को बढ़ावा दे। विश्वविद्यालय और कॉलेज विचारों के ऐसे मंच होते हैं, जहां व्यक्ति अपनी पहचान से पहले छात्र और फिर शोधकर्त्ता बनता है। दुर्भाग्यवश, यू.जी.सी. द्वारा प्रस्तावित इक्विटी रैगुलेशन 2026 इसी मूल भावना के विपरीत खड़ा दिखाई देता है। यह विनियम समानता के नाम पर भेदभाव की एक ऐसी इकतरफा और संकीर्ण परिभाषा गढ़ता है, जो समस्या के समाधान से अधिक, नई समस्याओं को जन्म देने वाली है। स्वयं मेरे लिए एक शिक्षक के रूप में यह मानना कठिन है कि कक्षा में खड़ा होकर कोई भी शिक्षक अपने विद्यार्थियों को जाति के चश्मे से देखता या उनसे कोई भेदभाव करता है। वर्षों तक पढ़ाने, मार्गदर्शन देने और शोध कराने के दौरान एक शिक्षक के लिए छात्र की पहचान उसकी जिज्ञासा, अनुशासन और बौद्धिक क्षमता से बनती है, न कि किसी सामाजिक वर्ग से। यही कारण है कि अधिकांश शिक्षक अपने छात्रों की उपलब्धियों में ईर्ष्या नहीं, बल्कि गर्व महसूस करते हैं, चाहे वे किसी भी जाति-वर्ग से हों। जिस रोहित वेमुला प्रकरण के आलोक में इस एकतरफा कानून को बनाने की बात कही जा रही थी, उसकी सच्चाई खुद तेलंगाना सरकार की रिपोर्ट में खुल चुकी है। यू.जी.सी. रैगुलेशन 2026 की सबसे गंभीर समस्या उसकी जातिगत भेदभाव की परिभाषा है। यह परिभाषा पहले ही यह मानकर चलती है कि शैक्षणिक परिसरों में भेदभाव एकतरफा होता है, यानी एक वर्ग स्वभावतरू उत्पीड़क है और दूसरा पीड़ित। यह दृष्टिकोण न केवल बौद्धिक रूप से आलसी है, बल्कि सामाजिक रूप से खतरनाक भी। क्या भेदभाव केवल एक ही दिशा में होता है? क्या अपमान, बहिष्कार, वैचारिक डूषहसा और सामाजिक तिरस्कार किसी एक ही वर्ग तक ही सीमित है? आज का सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य बिल्कुल अलग है। जिन्हें हम पिछड़ा या दलित कह कर संबोधित करते हैं, वे अब देश और समाज का नेतृत्व कर रहे हैं, उच्चतम पदों पर आसीन हैं और अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। देश की अल्पसंख्यक सामान्य जाति की तरफ से इसका कोई विरोध भी नहीं है। फिर भी पिछले कुछ दशकों में विश्वविद्यालय परिसरों में खुलेआम जाति-आधारित नारेबाजी, सामूहिक अपमान और वैचारिक बहिष्कार के दृश्य देखे गए हैं। तिलक-तराजू और तलवार जैसे प्रतीकों को गाली बनाकर प्रस्तुत करना, एक पूरे समुदाय को शोषक, मनुवादी या पितृसत्तात्मक कह कर खारिज करना अब फैशनेबल बना दिया गया है। संभवतरू मार्च में जब इस विनियम पर सुनवाई होगी तो न्यायालय के समक्ष खतरनाक जातिगत भेदभाव के ये उदाहरण भी रखे जाएंगे। इसको ध्यान में रखते हुए यदि अब सर्वोच्च न्यायालय की गंभीर टिप्पणियों को देखें तो यह स्पष्ट होगा कि हमारी असल जरूरत कास्ट-न्यूट्रल कैंपस विकसित करने की है, जहां छात्र आपस में तथा छात्र और शिक्षक एक-दूसरे के साथ खुल कर बातचीत कर सकें और अपने विचार रख सकें। नियम जरूर बनें, पर वे ऐसे हों ताकि कैंपस में किसी के खिलाफ जातिगत दुर्व्यवहार या भेदभाव किया जाना असंभव हो। आवश्यकता इस बात की है कि हम पूर्वाग्रहों से प्रेरित नीति-निर्माण की बजाय संतुलित, तर्कसंगत और न्यायपूर्ण दृष्टि अपनाएं। यदि शिक्षा संस्थान ही सामाजिक अविश्वास और वैमनस्य के केंद्र बन गए, तो समाज को दिशा कौन देगा? आशा है सर्वोच्च न्यायालय में अब यू.जी.सी. रैगुलेशन 2026 को इन्हीं कसौटियों पर परखा जाएगा।

दादा गए, क्या फडनवीस को फायदा होगा

विजय विद्रोही

अजित पवार की विमान हादसे में दर्दनाक मौत से उनका पूरा परिवार गहरे सदमे में है। उनकी एन.सी.पी. पार्टी के नेता, विधायक, कार्यकर्त्ता तिराहे पर हैं। दादा के जाने से देवेन्द्र (फडनवीस) पशोपेश में हैं। एकनाथ शिंदे सही वक्त के इंतजार में हैं। महाराष्ट्र की राजनीति कोई नई करवट लेने को बेचैन दिखाई दे रही है। ममता बनर्जी भले ही साजिश देख रही हों लेकिन महाराष्ट्र के नेता सियासत में चरमराहट सुन रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस और एकनाथ शिंदे की आपसी सियासी लड़ाई में दादा पवार ढाल बनते रहे हैं। अब देवेंद्र और एकनाथ में नए सिरे से शह-मात का खेल शुरू हो सकता है। पिछले विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद एकनाथ शिंदे जब मुख्यमंत्री पद पर दाव लगा रहे थे तो अजित दादा ने ही फडनवीस को महायुति का मुख्यमंत्री घोषित कर दिया था। यह फडनवीस के लिए बहुत बड़ी राहत थी। हाल के नगर निगम चुनावों के दौरान जब अजित पवार ने भाजपा पर भ्रष्टाचार को लेकर राक्षसी भूख होने का आरोप लगाया था, तब देवेंद्र ने इसे हंसी-मजाक में टाल दिया था कि अजित पवार दो कदम आगे दो कदम पीछे होते रहते हैं और वह कहीं जाने वाले नहीं हैं। दादा की विदाई के बाद उनकी पार्टी के सामने तीन ही रास्ते बचते हैं। एक, पार्टी को पार्टी की तरह चलाया जाए और महाराष्ट्र की राजनीति में खुद के लिए अलग जगह बनाई जाए। दो, शरद पवार के आगे नतमस्तक हो कर उन्हें अपना नेता चुन लिया जाए। तीन, भाजपा की शरण में चल दिया जाए।

सियासी जानकार कहते रहे हैं कि महाराष्ट्र जैसे राज्य में 6-6 दलों का लंबे समय तक टिके रहना संभव नहीं है। भाजपा, एन.सी.पी. और शिंदे सेना एक तरफ। कांग्रेस, शरद पवार की एन.सी.पी. और उद्धव ठाकरे की शिवसेना दूसरी तरफ। कुछ कहते रहे हैं कि जैसे एन.सी.पी. और शिवसेना 2-2 टुकड़ों में बंटीं, उसी तरह इन टुकड़ों का अपने-अपने गठबंधन की सबसे मजबूत पार्टी से नया रिश्ता बनना या फिर टुकड़ों का एक होना (दोनों में से एक) लाजमी है। तो क्या यह मान लिया जाए कि अजित पवार के जाने के बाद यह सिलसिला शुरू हो सकता है? यानी एन.सी.पी. अब एक हो जाए या अजित की एन.सी.पी. का बड़ा हिस्सा भाजपा में शामिल हो जाए। मुख्यमंत्री तो दूसरे विकल्प का स्वागत ही करेंगे क्योंकि ऐसा हुआ तो दो फायदे होंगे। एक, एकनाथ शिंदे की दबाव की राजनीति से छुटकारा मिलेगा और दो, भाजपा का महाराष्ट्र में राजनीतिक कैनवास और भी ज्यादा बड़ा हो जाएगा। इतना बड़ा कि बाकी के दल कोने में सिमटे दिखाई देंगे। अगर ऐसा नहीं हुआ तो फिर अजित पवार की एन.सी.पी. का क्या होगा? अगर अपने दम पर अपने वजूद को कायम रखना है तो क्या दादा की पत्नी सुनेत्रा पवार को आगे आना होगा और कमान संभालनी होगी? वह लोकसभा चुनावों में सुप्रिया सुले (ननद) के हाथों हारी थीं और इस समय राज्यसभा सांसद हैं। भले ही वह राजनीति के दाव-पेंच नहीं समझती हों लेकिन उनके साथ भावनाएं जुड़ी हुई हैं। भले ही वह बारामती के महिला संगठनों तक सीमित रही हों लेकिन अब राज्य भर में अजित पवार समर्थकों को एक करने की क्षमता रखती हैं। एक नाम पार्थ पवार का भी है। अपने दोनों बेटों को दादा ने सक्रिय चुनावी राजनीति से दूर ही रखा है। पार्थ ने जरूर 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा था लेकिन हार के बाद सियासत से दूरी बना ली। दूसरा बेटा लंदन में बैठकर पिता का कारोबार संभालता है। यह भी माना जा रहा है कि पवार के समर्थक और वरिष्ठ नेता पार्थ को अपना नेता मानने में झिझक महसूस कर सकते हैं। अलबत्ता सुनेत्रा के नाम पर किसी को शायद ही एतराज हो। वैसे एन.सी.पी. में प्रफुल्ल पटेल जैसे अनुभवी नेता भी हैं जो शरद पवार के लिए लंबे समय तक काम करते रहे हैं। शरद पवार के कारण ही वह यू.पी.ए. सरकार में मंत्री भी बनाए गए थे। पटेल गठबंधन की राजनीति के तमाम दाव-पेंच समझते हैं और इनके बीच में से अपने लिए रास्ता बनाना भी उन्हें बखूबी आता है। अलग-अलग दलों के नेताओं से उनकी दोस्ती, जान-पहचान है लेकिन अपने ही राज्य में कार्यकत्ताओं के बीच जमीनी पकड़ उतनी नहीं है जितनी उम्मीद किसी पार्टी अध्यक्ष से की जाती है। सुनील तटकरे भी मौका मिला तो एन.सी.पी. को संभालने की क्षमता रखते हैं।

मोदी- दोनों हाथों में लड्डू

जैसा कि अनुमान लगाया जा रहा था कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव को रोकने के लिए चाहे जितने कठोर नियम बना ले, उन्हें लागू करना आसान नहीं होगा। और ऐसा ही हुआ भी। यूजीसी द्वारा जारी नए नियमों पर देश भर में सवाल और बवाल दोनों खड़े हुए और उसके बाद सीधे सुप्रीम कोर्ट में इसे रोकने के लिए याचिकाएं दायर हुईं, जिन पर गुरुवार 29 जनवरी को महत्वपूर्ण सुनवाई भी हो गई। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों पर अस्थायी रोक लगा दी है।सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि पहले दृष्टिकोण से यह प्रतीत होता है कि इन नियमों की भाषा में स्पष्टता की कमी है, जिससे उनका गलत उपयोग हो सकता है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने चेतावनी दी कि ऐसे नियम समाज को विभाजित कर सकते हैं और परिसरों में अमेरिका की तरह नस्लीय विभाजन जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन नियमों की जांच की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनका दुरुपयोग न हो। कोर्ट ने केंद्र सरकार से इन नियमों की समीक्षा करने को कहा और तब तक उनके लागू होने पर रोक जारी रखने का आदेश दिया। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल से कहा कि वे एक विशेषज्ञ कमेटी गठित करें। जिसमें कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों को शामिल करने पर विचार किया जाए, ताकि समाज में बिना भेदभाव के समग्र विकास हो सके।गौरतलब है कि यूजीसी नियमावली, 2026 को 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किया गया था। ये नियम अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) छात्रों के खिलाफ भेदभाव, उत्पीड़न और आत्महत्या जैसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से लाए गए हैं। यह 2012 के पुराने नियमों की जगह लाए गए हैं। इन नियमों के तहत सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में समता समितियां (इक्विटी कमेटी) गठित करना अनिवार्य किया गया है। इस कमेटी का काम जातिगत भेदभाव की शिकायतों की जांच करना है। लेकिन एससी, एसटी और ओबीसी के हक की बात उठते ही समाज में बवाल खड़ा हो गया।भारत में जाति व्यवस्था इतनी गहरी पैठी हुई है कि जाति के नाम पर उत्पीड़न सामान्य व्यवहार के तौर पर अपना लिया गया है। एक इंसान दूसरे इंसान को केवल जाति के आधार पर अपमानित, शोषित या प्रताड़ित करे, यह चलन सदियों से चला आ रहा है और इसे दूर करने की जितनी कोशिशें की गईं, उतने ज्यादा अड़ंगे सवर्ण समाज की तरफ से लगाए गए। चाहे मंडल कमीशन की सिफारिशें हों या अभी यूजीसी के नए नियम, उन पर समाज का एक तबका ऐसे विरोध में उतरा मानो अपने से निचली जातियों का उत्पीड़न उसका जन्मसिद्ध अधिकार है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट में सवर्ण वर्ग की ओर से दायर याचिकाओं में इन नियमों को असंवैधानिक बताया गया है। इसे जाति आधारित भेदभाव करार दिया। याचिकाकताओं में से एक वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि यह भेदभाव संविधान के अनुच्छेद 14 और 19 के खिलाफ है और इससे शिक्षा क्षेत्र में, समाज में और अधिक खाई पैदा हो सकती है। कितने कमाल की बात है कि शिक्षा क्षेत्र या समाज में जातिगत भेदभाव इन लोगों को तब दिखाई नहीं देता, जब किसी दलित बच्चों को मध्याह्न भोजन में अलग पंक्ति में बिठाने की खबरें आती हैं, या किसी छात्र को उसकी निचली जाति के कारण शारीरिक या मानसिक तौर पर प्रताड़ित किया जाता है। रोहित वेमुला या पायल तड़वी जैसे लोगों को अगर आत्महत्या करने पर मजबूर किया गया, तो उसके पीछे यही सदियों से चला आ रहा जातिगत भेदभाव ही है।बहरहाल, अब शीर्ष अदालत इस मामले पर अगली सुनवाई 19 मार्च को करेगी। तब तक मोदी सरकार जाति या किसी और कारण से समाज को बांटने के नए तरीके सोच ही लेगी। वैसे तो शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी ने बचाव में कहा कि नए नियम किसी समुदाय को निशाना नहीं बनाते हैं और समितियां निष्पक्ष होंगी, जिसमें विविध प्रतिनिधित्व होगा। लेकिन सरकार इस बात को अच्छे से जानती थी कि कमजोर तबके के लोगों को सुरक्षा देने या उन्हें आगे बढ़ाने के लिए जो भी फैसले लिए जाएंगे, उस पर समाज के सवर्ण तबके से तीखी प्रतिक्रिया आएगी ही और इस मामले पर राजनीति भी खूब होगी। और ऐसा ही हुआ भी। यूजीसी के नियम केवल कानूनी मसला नहीं है, बल्कि इसके सामाजिक और राजनैतिक पहलू भी हैं। जिनमें चुनावी हित नाप-तौल के ही मोदी सरकार आगे बढ़ी है। पूरे देश में यूजीसी के नए नियमों पर केवल विरोध ही नहीं हुआ, बल्कि नरेन्द्र मोदी-अमित शाह के पोस्टरों पर प्रदर्शनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। उनके खिलाफ कब्र खुदेगी जैसे नारे लगाए गए। मजे की बात ये है कि इन नारों को लगाने वाले सवर्ण छात्रों को किसी ने देशद्रोही नहीं कहा। जबकि जेएनयू में ऐसे ही नारे लगे थे तो छात्रों को फौरन देशविरोधी करार दिया गया था। जाति पर किस तरह का भेदभाव समाज में किया जाता है, ये उसी का एक उदाहरण है। बहरहाल, यूजीसी के नए नियमों को अभी लाना और फिर लागू होने पर रोक लगाना, सब चुनावी राजनीति की तरफ इशारा करते हैं।

भाजपाई और उनके संगी-साथी याद रखें, साजिश से बड़ी सच्चाई होती है: अखिलेश

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अयोध्या की एक विशेष अदालत द्वारा सामूहिक दुष्कर्म मामले में सपा नेता मोईद खान को बरी किए जाने के फैसले के एक दिन बाद शुक्रवार को कहा कि भाजपाई और उनके संगी-साथी याद रखें, साजिश से बड़ी सच्चाई होती है। अयोध्या की विशेष पॉक्सो अदालत ने 2024 में 12 वर्षीय एक लड़की से सामूहिक दुष्कर्म के एक चर्चित मामले में बृहस्पतिवार को सपा नेता मोईद खान को बरी कर दिया, जबकि उसके नौकर को 20 साल कारावास की सजा सुनाई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस मामले से जुड़ी बुलडोजर कार्रवाई की खबरें एक्स पर साझा करते हुए एक पोस्ट में सवाल किया, क्या भेदकारी भाजपा के पास कोई ऐसा बुलडोजर भी है, जो लोगों के टूटे घर बना दे और उस पर मान-सम्मान का छप्पर फिर से लगा दे? यादव ने कहा, अपने ऊपर लगे मुकदमे तो सत्ताधीश हटवा सकते हैं, लेकिन जो पाप उन्होंने किए हैं, उनके मुकदमे ऊपरवाले की अदालत में लिखे जा रहे हैं। उससे वे कैसे बचेंगे? इतना अन्याय और पाप करके कोई सो कैसे सकता है?

चार चीजें जो आपकी इम्युनिटी को बना देंगी मजबूत, पास भी नहीं भटकेंगी संक्रामक बीमारियां

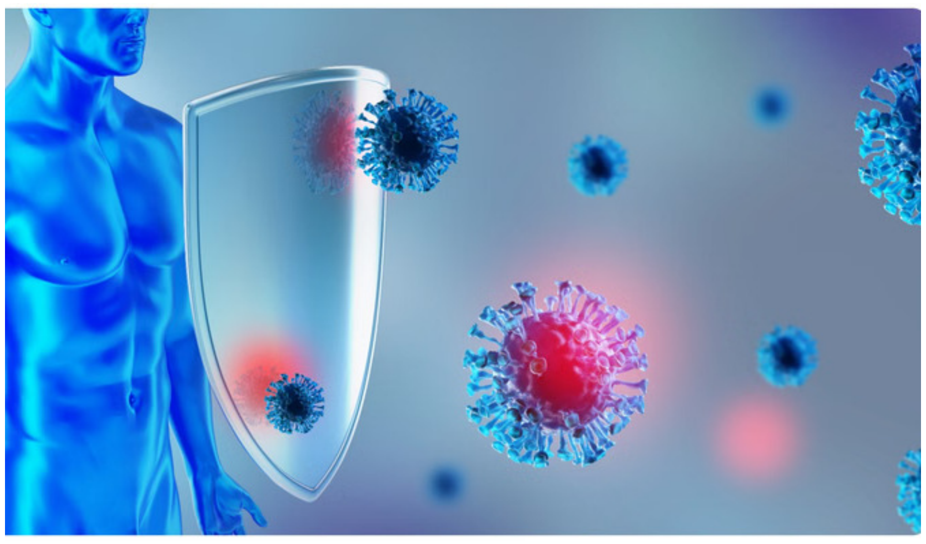

जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है वह कम बीमार होते हैं। गंभीर संक्रामक बीमारियां हों या फिर कैंसर के जोखिम को कम करने में भी मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली की आवश्यकता होती है। आइए जानते हैं कि इम्युनिटी बढ़ाने के लिए क्या खाना चाहिए? आहार की पौष्टिकता का ध्यान रखकर आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं। ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के साथ इम्युनिटी पावर के लिए भी आहार की पौष्टिकता का ध्यान रखना बहुत आवश्यक माना जाता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को नियमित रूप से हरी सब्जियों और फलों के सेवन की सलाह देते हैं। विभिन्न प्रकार के पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों, जैसे खट्टे फलों और सब्जियों से शरीर को पर्याप्त पोषण मिलता है, इससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और संक्रामक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। बेहतर इम्युनिटी यानी मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी सेहत की सबसे बड़ी नींव मानी जाती है। मजबूत इम्युनिटी न सिर्फ सर्दी-खांसी, वायरल और इंफेक्शन से बचाती है, बल्कि शरीर को गंभीर बीमारियों से लड़ने की ताकत भी देती है। गलत खान-पान, तनाव और नींद की कमी के कारण लोगों की इम्युनिटी कमजोर होती जा रही है, ऐसे में इसे मजबूत करना बेहद जरूरी हो गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है वह कम बीमार होते हैं। गंभीर संक्रामक बीमारियां हों या फिर कैंसर के जोखिम को कम करने में भी मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली की आवश्यकता होती है।

इम्युनिटी को मजबूत करने के उपाय जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अच्छी इम्युनिटी के लिए सबसे जरूरी उपाय है संतुलित आहार का सेवन करना। रोजाना डाइट में ताजे फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन वाली चीजों को जरूर शामिल करें। विटामिन-सी से भरपूर आंवला, संतरा, नींबू और अमरूद इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करते हैं, जबकि विटामिन डी और जिंक शरीर की रक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं।

दही, छाछ और फर्मेंटेड फूड्स आंतों की सेहत सुधारते हैं, जिससे इम्यून सिस्टम बेहतर काम करता है।

खानपान में सुधार के अलावा नियमित व्यायाम भी इम्युनिटी को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है।

रोजाना 30 मिनट की वॉक, योग, प्राणायाम या हल्की एक्सरसाइज शरीर में ब्लड सकुर्लेशन बढ़ाती है और इम्युन सेल्स को एक्टिव रखती है। खासतौर पर योगासन और प्राणायाम तनाव कम करने के साथ-साथ शरीर की अंदरूनी ताकत बढ़ाते हैं।

आइए जानते हैं कि इम्युनिटी पावर को मजबूत बनाने के लिए किन चीजों को आहार में शामिल किया जाना चाहिए?

खट्टे फल जरूर खाएं

आहार में खट्टे फलों को शामिल करना शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती देने के लिए बहुत आवश्यक है। खट्टे फलों से पर्याप्त मात्रा में विटामिन-सी होता है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाए रखने के लिए बहुत मददगार है। संतरे और नींबू जैसे खट्टे फल विटामिन-सी के अच्छे स्रोत हैं। विटामिन-सी से इम्युनिटी मजबूत होती है जो सर्दी और खांसी के लक्षणों को कम करने में सहायक है।

भोजन में शामिल करें ब्रोकली

ब्रोकली को आहार का हिस्सा बनाकर कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ पाए जा सकते हैं। ब्रोकली विटामिन ए, सी, और ई के साथ फाइबर और कई एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है, यही कारण है कि इसे सबसे स्वस्थ और पौष्टिकता वाली सब्जियों में से एक माना जाता है। ब्रोकली को कच्चा या उबालकर खाने से इसमें मौजूद पोषक तत्व संरक्षित रहते हैं जिससे शरीर को लाभ मिलता है।

डेयरी उत्पाद हैं जरूरी

दूध-दही और पनीर जैसे डेयरी उत्पाद आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स आंत में पाए जाने वाले लाभकारी बैक्टीरिया को पोषण देते हैं, जिससे भोजन का पाचन आसान होता है। इसके अलावा इसमें कैल्शियम, विटामिन्स और कई प्रकार के मिनरल्स की अधिकता होती है जिससे शरीर को स्वस्थ और पौष्टिक रखने में मदद मिलती है।

पपीता बहुत लाभकारी फल

विटामिन-सी से भरपूर पपीता हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है। पपीते में पैपिन नामक पाचक एंजाइम होता है, जिसमें एंटी-इंफ्लामेटरी गुण होता है। इसके अलावा पपीता में उचित मात्रा में पोटैशियम, मैग्नीशियम और फोलेट की भी मात्रा होती है जो आपके शरीर को स्वस्थ रखने और पाचन को मजबूती देने के लिए बहुत फायदेमंद है। इसे आहार का हिस्सा जरूर बनाएं।

वीकेंड पर कुछ खास बनाना है, यहां जानें दाबेली बनाने की आसान विधि

वीकेंड पर अगर कुछ स्वादिष्ट और आसान बनाना चाहती हैं तो दाबेली एक परफेक्ट ऑप्शन है। ये एक स्वादिष्ट स्ट्रीट फूड है, जो अपने मसालेदार आलू स्टफिंग और मीठी-खट्टी चटनी के लिए मशहूर है। घर पर इसे बनाना न केवल मजेदार होता है, बल्कि परिवार और दोस्तों के साथ इसे शेयर करना भी एक अलग अनुभव देता है।

दाबेली में मसालेदार आलू मिश्रण, इमली की चटनी, मूंगफली, और ताजी हरी धनिया का इस्तेमाल होता है, जो इसे हर बाइट में स्वाद का धमाका बना देता है। इसे ब्रेड या छोटे बन्स में भरकर ताजा तैयार किया जाता है और सर्विंग के समय थोड़ी हरी चटनी या हरी मिर्च के साथ परोसा जाता है। इस आर्टिकल में हम आपको घर पर स्वादिष्ट और परफेक्ट दाबेली बनाने की स्टेप-बाय-स्टेप रेसिपी बताएंगे, ताकि आप वीकेंड पर इसे आसानी से तैयार कर सकें और हर किसी को पसंद आए।

सामग्री

4-5 मध्यम आकार के उबले आलू लाल मिर्च पाउडर झ 1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर झ 1 छोटा चम्मच चाट मसाला झ 1/2 छोटा चम्मच नमक झ स्वाद अनुसार छोटे पाव झ 6-8 मूंगफली झ 2 बड़े चम्मच (भुनी हुई) ताजा हरा धनिया झ 2 बड़े चम्मच (कटा हुआ) सेव झ 2 बड़े चम्मच मीठी चटनी हरी चटनी

विधि

सबसे पहले आलू को अच्छी तरह उबाल लें और पूरी तरह मैश कर लें। मैश किए हुए आलू में लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, चाट मसाला और स्वाद अनुसार नमक डालकर अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को तब तक मिलाएं जब तक मसाले पूरी तरह से आलू में घुल न जाएं। इसके बाद चटनी तैयार करें।

मीठी चटनी के लिए इमली का पेस्ट और गुड़ या शक्कर को अच्छी तरह मिलाकर गाढ़ा मिश्रण बनाएं। हरी चटनी बनाने के लिए हरी मिर्च, हरा धनिया, नींबू का रस और नमक को मिक्सी में पीसकर स्मूद पेस्ट तैयार करें।

अब ब्रेड बन्स को बीच से हल्का काटें और अंदर मसालेदार आलू भरें। आलू को ब्रेड के अंदर अच्छी तरह सेट करें ताकि भरावन फैल न जाए। उसके ऊपर थोड़ी भुनी हुई मूंगफली, ताजा हरा धनिया और क्रंची सेव डालें।

तैयार दाबेली को तुरंत परोसें ताकि ब्रेड नरम रहे और मसाले का स्वाद ताजा रहे। चाहें तो इसे हरी चटनी या मीठी इमली की चटनी के साथ परोसें। दाबेली को स्नैक के रूप में या वीकेंड स्पेशल फूड के तौर पर परिवार और दोस्तों के साथ एन्जॉय किया जा सकता है।

हर सुबह कपड़े ढूंढने की टेंशन खत्म! इन स्मार्ट हैक्स से ऊनी कपड़े होंगे मिनटों में सेट

ऊनी कपड़ों से भरी अलमारी अक्सर अव्यवस्थित लगती है। लेकिन अगर कुछ स्मार्ट हैक्स अपनाए जाएं तो वह व्यवस्थित हो जाएगी, आपका समय बचाएगी और हर दिन की शुरूआत भी आसान कर देगी। सर्दी के मौसम में अलमारी खोलते ही ऊनी कपड़ों का ढेर मानो मुंह चिढ़ाने लगता है। मोजे, स्वेटर, मफलर, इनर और ओवरकोट सबकी जरूरत एक साथ पड़ती है, लेकिन इन्हें सही तरीके से रखना आसान नहीं होता। ऊनी कपड़े ज्यादा जगह घेरते हैं और अगर व्यवस्थित न हों तो पूरी वार्डरोब बिखरी-बिखरी लगती है। ऐसे में अगर कुछ स्मार्ट हैक्स अपनाए जाएं तो आपकी अलमारी न सिर्फ विंटर रेडी बन जाएगी, बल्कि हर सुबह समय और मेहनत दोनों की बचत भी होगी।

कपड़ों के स्मार्ट सेट

सर्दियों के कपड़ों के सेट बनाना सबसे कारगर तरीका है। आप अपनी जरूरत और लाइफस्टाइल के अनुसार अलग-अलग कैटेगरी तय करें, जैसे लोअर, ट्राउजर, जींस, हुडी, नॉर्मल टी-शर्ट, वूलन टी-शर्ट, कोट्स और जैकेट्स। ऑफिस, घर और बाहर जाने वाले कपड़ों के अलग-अलग सेट बनाकर रखें। इससे रोजाना कपड़े चुनने में उलझन नहीं होगी और अलमारी ज्यादा सलीकेदार दिखेगी।

हैंगर का इस्तेमाल

सर्दियों में भारी कपड़ों को हैंगर पर टांगते समय उनकी स्लीव्स को हल्का मोड़कर टांगें, इससे जगह बचेगी। मल्टी-लेयर हैंगर का इस्तेमाल करके आप एक ही जगह तीन से पांच कपड़े टांग सकती हैं। जैकेट और कोट के लिए मजबूत लकड़ी या मेटल हैंगर चुनें, ताकि कपड़ों का आकार खराब न हो।

कॉटन बैग्स

अगर आपके पास भारी, कीमती या कम इस्तेमाल होने वाले ऊनी कपड़े हैं, तो उन्हें कॉटन बैग में रखना बेहतर होता है। पूरे आउटफिट को एक साथ एक बैग में रखने से कपड़े सुरक्षित रहते हैं और जल्दी मिल भी जाते हैं। असल में कॉटन बैग्स टिकाऊ होते हैं, हवा पास करते हैं और प्लास्टिक कवर की तरह नमी नहीं पकड़ते।

वार्डरोब ऑर्गनाइजर

आजकल बाजार में कई तरह के वार्डरोब ऑर्गनाइजर उपलब्ध हैं। ये मेटल, प्लास्टिक या फैब्रिक बॉक्स के रूप में आते हैं, जिनमें अलग-अलग चैंबर बने होते हैं। इनमें आप स्वेटर, इनर, स्कार्फ और थर्मल्स अलग-अलग रख सकती हैं। इससे अलमारी ज्यादा साफ-सुथरी दिखती है और हर चीज अपनी जगह पर रहती है।

रंगों की भूल-भुलैया

कपड़ों को रंगों के आधार पर व्यवस्थित करना अलमारी को आकर्षक और रोज-रोज कपड़ों को ढूंढने में होने वाली परेशानी को कम करता है। हल्के से गहरे रंग के क्रम में कपड़े रखने से हर कपड़ा नजर आ जाता है। काले और गहरे रंग के कपड़ों को हैंगर पर टांगना बेहतर होता है, क्योंकि ये जल्दी सिलवटें पकड़ लेते हैं।

मोजे, दस्ताने और मफलर

सर्दियों में सबसे ज्यादा परेशानी मोजे और दस्ताने ढूंढने में होती है। अक्सर एक जोड़ी गायब ही रहती है। इसके लिए अलमारी में एक अलग बॉक्स फिक्स करें। अलमारी के दरवाजे के पीछे लगे पॉकेट ऑर्गनाइजर या हुक्स भी बहुत काम आते हैं। इन पर आप मफलर, दस्ताने, टाई या छोटे पर्स टांग सकती हैं, जिससे ये चीजें हमेशा नजर में रहें।

छंटनी भी जरूरी

अगर अलमारी जरूरत से ज्यादा बिखरी हुई लग रही है, तो सबसे पहले कपड़ों की छंटनी करें। जो कपड़े छोटे हो गए हों, खराब हों या लंबे समय से इस्तेमाल में न आए हों, उन्हें अलग निकाल दें। इससे अलमारी में अनावश्यक भीड़ कम होगी और जरूरी ऊनी कपड़ों के लिए पर्याप्त जगह बनेगी। नियमित छंटनी से आपकी अलमारी हमेशा साफ-सुथरी रहेगी और सर्दियों के लिए पूरी तरह विंटर रेडी बन जाएगी।

हर उम्र पर भारी पड़ रहा मोटापा, तुरंत सुधार लें ये आदत वरना बढ़ सकती है परेशानी

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती क्रॉनिक बीमारियों जैसे डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोगों के लिए जिन कारणों को सबसे ज्यादा जिम्मेदार माना जाता है- मोटापा उनमें से एक है। भारतीय आबादी में ये समस्या और भी तेजी से बढ़ती जा रही है। गुरुवार (29 जनवरी) को संसद में पेश इकोनॉमिक सर्वे में देश में बढ़ती इस गंभीर चुनौती को लेकर लोगों को अलर्ट किया गया है। सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक मोटापे की स्थिति देश में खतरनाक दर से बढ़ रही है और ये गंभीर स्वास्थ्य चुनौती भी बनती जा रही है। विशेषज्ञ कहते हैं, बढ़ते वजन के लिए वैसे तो कई कारणों को जिम्मेदार माना जाता है, हालांकि खान-पान में गड़बड़ी इसकी मुख्य वजह पाई गई है। विशेषज्ञों ने इस समस्या से निपटने के लिए पर्याप्त

पोषण वाले आहार का सेवन करने और डाइट्री रिफार्म को प्राथमिकता के तौर पर लेने पर जोर दिया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, कम उम्र से ही आहार में सुधार पर ध्यान देने की जरूरत है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी में मोटापे की दिक्कत देखी जा रही है, इसलिए पौष्टिक आहार के सेवन की आदत बनाना सभी के लिए जरूरी है।

इकोनॉमिक सर्वे में मोटापे को लेकर जताई गई चिंता

सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक आहार में गड़बड़ी, लाइफस्टाइल में बदलाव जैसे ज्यादा देर तक बैठे रहने की आदत, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स अधिक खाने और कुछ पर्यावरणीय कारक मोटापे की समस्या को बढ़ाते जा रहे हैं।

मोटापा सभी उम्र के लोगों को प्रभावित कर रहा है। इसके कारण डायबिटीज, दिल की बीमारी और हाइपरटेंशन का खतरा भी बढ़ रहा है।

सर्वे में शहरी और ग्रामीण दोनों आबादी को मोटापे से प्रभावित पाया गया है।

विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि खाने वाली चीजों के पैकेट के सामने की तरफ चेतावनी के साथ हाई फैट, शुगर और सॉल्ट (एचएफएसएस) की न्यूट्रिशन लेबलिंग की जानी चाहिए। ताकि लोग जो खा रहे हैं वह कितना हेल्दी या नुकसानदायक है ये समझ सकें।

भारत में बढ़ते मोटापे की स्थिति चिंताजनक

इससे पहले नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 2019-21 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 24 प्रतिशत महिलाएं और 23 प्रतिशत पुरुष अधिक वजन वाले या मोटापे का शिकार थे।

रिपोर्ट के मुताबिक 15-49 साल के आयु वर्ग में 6.4 प्रतिशत महिलाएं और 4 प्रतिशत पुरुष मोटापे से पीड़ित थे।

इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों में वजन बढ़ने की समस्या 2015-16 में 2.1 प्रतिशत से बढ़कर 2019-21 में 3.4 प्रतिशत हो गई है।

2020 में भारत में 3.3 करोड़ से ज्यादा बच्चे मोटापे का शिकार थे। रिपोर्ट में चिंता जताई गई है कि 2035 तक यह संख्या 8.3 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स सेहत के लिए खतरनाक

इकोनॉमिक सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स मोटापा बढ़ाने के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार खाद्य पदार्थ है। वहीं भारत अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स की बिक्री के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से भी एक है। इसमें 2009 से 2023 तक 150 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। जिसका मतलब है कि ऐसे खाद्य पदार्थों का खपत देश में तेजी से बढ़ रहा है, जिसका सीधा असर लोगों के वजन पर देखा जा रहा है।

गैस की दुश्मन है ये दाल, इसे खाते ही मिनटों में पेट को मिल जाएगा आराम

अगर आप अक्सर गैस, भारीपन या बदहजमी से परेशान रहते हैं, तो आपकी थाली में पीली मूंग दाल की जगह साबुत हरी मूंग

शामिल करना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। न्यूट्रिशन एक्सपर्ट्स के मुताबिक, साबुत मूंग पाचन तंत्र के लिए ज्यादा हल्की और फायदेमंद मानी जाती है। चलिए जानते है इस दाल को खाने के 5 बड़े फायदे

ज्यादा फाइबर, बेहतर पाचन

साबुत हरी मूंग में घुलनशील और अघुलनशील फाइबर दोनों पाए जाते हैं। यह आंतों की सफाई में मदद करती है, कब्ज से राहत दिलाती है, गट हेल्थ मजबूत करती है। जबकि पीली मूंग दाल में प्रोसेसिंग के कारण फाइबर कम हो जाता है।

नेचुरल एंजाइम्स से भरपूर

ग्रीन मूंग में मौजूद प्राकृतिक एंजाइम्स भोजन को आसानी से पचाने में मदद करते हैं। ये एंजाइम्स गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग की समस्या को कम करते हैं।

गट बैक्टीरिया को करता है मजबूत

साबुत मूंग प्रीबायोटिक की तरह काम करती है, जिससे अच्छे बैक्टीरिया बढ़ते हैं। इससे, पाचन सुधरता है, इम्युनिटी मजबूत होती है और आंतों की सूजन कम होती है

लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स

ग्रीन मूंग का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कमहोता है, जिससे ब्लड शुगर धीरे बढ़ती है, पेट लंबे समय तक भरा रहता है ओवरईटिंग नहीं होती

हल्की होने के बावजूद पोषण से भरपूर

साबुत हरी मूंग में हाई प्रोटीन, आयरन, मैग्नीशियम, पोटैशियम होता है, जो पेट पर बोझ डाले बिना शरीर को एनर्जी देता है।

हरी मूंग दाल को खाने का तरीका

इसे रातभर भिगोकर पकाएं या फिर अंकुरित (स्प्राउट्स) रूप में लें। इसे जीरा, हींग और अदरक के साथ पकाएं, ज्यादा तेल और मसालों से बचें। अगर आप हल्का, हेल्दी और पचने में आसान विकल्प चाहते हैं, तोपीली मूंग दाल की जगह साबुत हरी मूंग को डाइट में शामिल करें। यह पाचन ही नहीं, बल्कि ओवरऑल हेल्थ के लिए भी फायदेमंद है।

ग्रोथ बढ़ाने के चक्कर में न करें ये गलती, पौधों को हो सकता है नुकसान

हर गार्डनर चाहता है कि उसके पौधे तेजी से बढ़ें, हरे-भरे रहें और खूब फूल-फल दें। इसी वजह से कई लोग सोचते हैं कि जितना ज्यादा खाद देंगे, पौधे उतने ही तेजी से बढ़ेंगे। लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। जरूरत से ज्यादा खाद पौधों के लिए नुकसानदेह हो सकती है और उनकी जड़ें जलकर कमजोर हो जाती हैं।

ज्यादा खाद से पौधों को क्या नुकसान होता है

जड़ों की जलनः मिट्टी में अधिक खाद डालने से नमक और रसायन बढ़ जाते हैं, जिससे जड़ें पानी सोखने में असमर्थ हो जाती हैं।

पत्तियों और फूलों पर असरः पानी की कमी के कारण पत्तियों के किनारे जलने लगते हैं और फूल-फल कम आने लगते हैं।

मिट्टी का असंतुलनः ज्यादा केमिकल और गर्मी से मिट्टी की संरचना बिगड़ती है, जिससे पौधों का स्वस्थ विकास रुक जाता है।

जीवनकाल घटनाः पौधों की जड़ें गलने लगती हैं और पौधे धीरे-धीरे कमजोर होकर मरने लगते हैं।

खाद डालने का सही तरीका

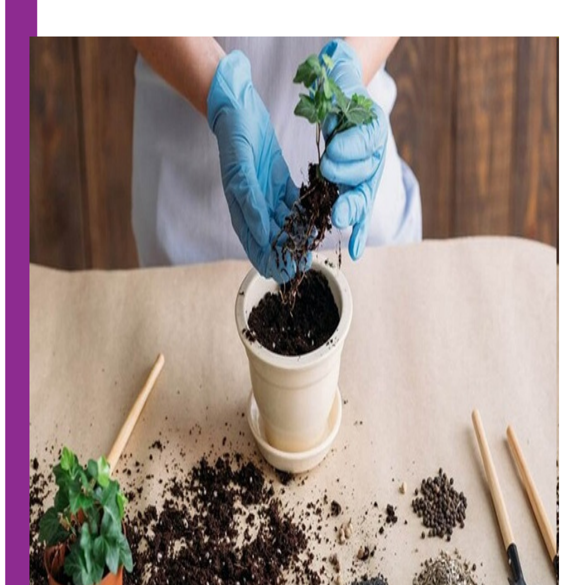

पानी से पहले मिट्टी को नम करेंः सूखी मिट्टी में सीधे खाद न डालें।

जैविक खाद का उपयोग करेंः वमीर्कंपोस्ट, गोबर की खाद या किचन वेस्ट कंपोस्ट जैसे जैविक विकल्प धीरे-धीरे पोषक तत्व छोड़ते हैं और पौधों को सुरक्षित रखते हैं।

जड़ों के पास ही डालेंः खाद को गमले या पौधे की जड़ों के किनारे डालें, कभी भी मुख्य तने के पास न डालें।

मात्रा का ध्यान रखेंः पैकेट पर लिखी मात्रा से थोड़ी कम ही इस्तेमाल करें। बार-बार खाद देने की जरूरत नहीं होती यदि पौधा स्वस्थ दिख रहा हो।

पौधों की देखभाल में संतुलन बनाए रखना

एक अच्छा गार्डनर वही है जो संतुलित पोषण और देखभाल करता है। सिर्फ खाद देना ही काफी नहीं है। पानी, धूप और मिट्टी की गुणवत्ता का ध्यान रखना भी जरूरी है। ज्यादा केमिकल फर्टिलाइजर तुरंत पोषण तो देता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा देने पर यह जड़ों और मिट्टी दोनों को नुकसान पहुंचाता है।

विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी में जुटी भाजपा

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पार्टी विधायकों और संभावित प्रत्याशियों की जमीनी परफॉर्मेंस और मणिकर्णिका घाट, प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद और यूजीसी बिल के बाद जनता में पनपे असंतोष का आकलन करने के लिए दूसरे चरण का सर्वे जल्द शुरू करने जा रही है। सूत्रों के अनुसार, यह नया सर्वे फरवरी के दूसरे-तीसरे सप्ताह से शुरू होगा। खास बात यह है कि दूसरे चरण का सर्वे पहले से अलग एक स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से कराया जाएगा, जबकि पहले चरण की सर्वे रिपोर्ट पहले ही पार्टी नेतृत्व के पास मौजूद है। दोनों एजेंसियों की रिपोर्ट का आपस में मिलान कर निष्कर्ष निकाले जाएंगे, ताकि किसी भी तरह के पक्षपात की गुंजाइश न रहे। इसी उद्देश्य से भाजपा ने दोहरा सर्वे मॉडल अपनाया है। भाजपा इस सर्वे के तहत प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों का आकलन कराएगी। इसके साथ ही सहयोगी दलों की सीटें भी सर्वे में शामिल होंगी। रालोद, सुभासपा, अपना दल (एस) और निषाद पार्टी के प्रभाव वाली विधानसभा सीटों पर भी विशेष नजर रखी जाएगी।

विश्व कप की तैयारियों को अंतिम रूप देने उतरेगा भारत

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार को पांचवां टी20 मैच खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए टी20 विश्व कप के लिहाज से यह मैच काफी महत्वपूर्ण है। आइए जानते मैच के लाइव स्ट्रीमिंग से जुड़ी सभी जानकारी... भारतीय टीम टी20 विश्व कप से पहले अपने आखिरी मुकाबले में शनिवार को न्यूजीलैंड का सामना करेगी। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की द्विपक्षीय सीरीज का पांचवां टी20 मैच तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। सात फरवरी से टी20 विश्व कप की शुरूआत हो रही है, ऐसे में दोनों टीमें अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने उतरेंगी। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय संजू सैमसन की खराब फॉर्म है। सीरीज जीत से भारत का बढ़ेगा आत्मविश्वास पांचवें टी20 के दौरान उम्मीद रहेगी कि संजू सैमसन अपने घरेलू दर्शकों के सामने फॉर्म में वापसी करने और अक्षर पटेल फिटनेस हासिल करने में सफल रहेंगे।

सैमसन अब अपने गृह नगर में खेलेंगे और यहां के अपने समर्थकों के सामने शायद वह अपनी खोई हुई लय को फिर से प्राप्त कर लें। भारत टी20 विश्व कप में अपना पहला मैच सात फरवरी को मुंबई में खेलेगा और वह उससे पहले यहां जीत हासिल करना चाहेगा। इस तरह से देखा जाए तो भारत इस मैच को औपचारिकता नहीं मानेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत से शैली, ताकत और गहराई से भरपूर टीम का आत्मविश्वास और भी बढ़ेगा। तिरुवनंतपुरम में भारत का रिकॉर्ड तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में ढेरों रन बनते रहे हैं। भारत ने यहां खेले गए अपने चार टी20 मैचों में से तीन जीते हैं, जिसमें 2017 में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीता गया एक मैच भी शामिल है। न्यूजीलैंड को गेंदबाजी में करना होगा सुधार दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम पहले तीन मैचों में भारत के आक्रामक रवैये के सामने बेबस नजर आई, लेकिन विशाखापत्तनम में उन्होंने भारत के प्रमुख बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में कामयाबी हासिल की। अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव को आउट करने के बाद, न्यूजीलैंड के गेंदबाज शिवम दुबे की तूफानी बल्लेबाजी के बावजूद बाकी बल्लेबाजों को रोकने में सफल रहे। अब उन्हें पता चल गया है कि यह भारतीय टीम अजेय नहीं है और 3-2 का अंतर उन्हें आगामी बड़े मुकाबलों से पहले मानसिक रूप से मजबूत कर सकता है। सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट के टीम में शामिल होने से न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को काफी मजबूती मिली है। न्यूजीलैंड की टीम हालांकि गेंदबाजी में सुधार की उम्मीद कर रही होगी। उसके प्रमुख तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन टीम में शामिल है लेकिन वह अंतिम एकादश में जगह बना पाते हैं या नहीं, यह उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। हम यहां आपको भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवें टी20 मैच की लाइव स्ट्रीमिंग से जुड़ी जानकारी दे रहे हैं... भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मैच कब खेला जाएगा? भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मैच 31 जनवरी यानी शनिवार को खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मैच कहां खेला जाएगा? भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मैच तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मैच कितने बजे से खेला जाएगा? भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मैच शाम 7:00 बजे से शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी शाम 6:30 बजे होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मैच कहां देख पाएंगे? भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 सीरीज के प्रसारण अधिकार स्टार स्पोर्ट्स के पास है और दर्शक इसके मुकाबले स्टार स्पोर्ट्स के चैनलों पर देख सकेंगे। इसके अलावा मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार एप पर होगी।

पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में पहुंचे कार्लोस अल्कारेज, ज्वेरेव को कड़े मुकाबले में दी मात

मेलबर्न। कार्लोस अल्कारेज और एलेक्सजेंडर ज्वेरेव के बीच ऑस्ट्रेलियन ओपन में पुरुष एकल वर्ग का मुकाबला खेला गया। दोनों के बीच ये मैच काफी रोमांचक रहा और अंत में अल्कारेज फाइनल में पहुंचने में सफल रहे। स्पेन के कार्लेस अल्कारेज वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंच गए हैं। अल्कारेज ने पुरुष एकल वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में जर्मनी के एलेक्सजेंडर ज्वेरेव को पांच सेटों में हराया। अल्कारेज और ज्वेरेव के बीच

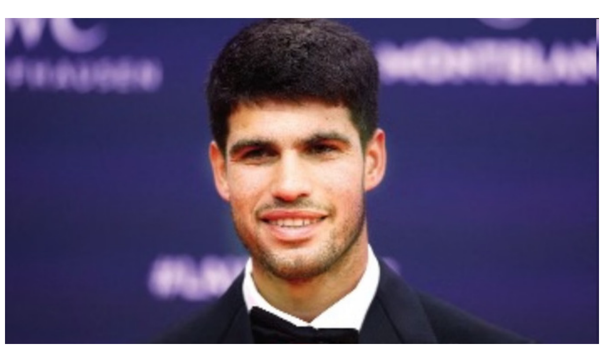

यह मुकाबला पांच घंटे 27 मिनट तक चला जिसमें आखिरकार स्पेन का यह खिलाड़ी जीत दर्ज करने में सफल रहा। अल्कारेज ने ज्वेरेव को 6-4, 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 (4), 7-5 के अंतर से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। अंत तक करीबी रहा मुकाबला अल्कारेज और ज्वेरेव के बीच शुरू से ही यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। अल्कारेज ने जहां पहले दो सेट जीतकर मैच में बढ़त ले ली थी तो वहीं ज्वेरेव ने टाई ब्रेकर में जाकर अगले दो सेट अपने नाम किए जिससे मैच का निर्णय पांचवें सेट में जाकर हुआ। निर्णायक सेट ज्वेरेव ने शुरूआती दो गेम जीते, लेकिन तीसरा गेम अपने नाम किया। ज्वेरेव ने भी हालांकि हार नहीं मानी और चौथा गेम जीतने में सफल रहे। इसके बाद अल्कारेज ने 10वें गेम में जाकर स्कोर 5-5 से बराबर किया और फिर उन्होंने ज्वेरेव को कोई मौका नहीं देते हुए अगले दो गेम जीते और पांचवां सेट जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अल्कारेज का फाइनल मुकाबले में सामना नोवाक जोकोविच और यानिक सिनर के बीच होने वाले एक अन्य सेमीफाइनल मैच के विजेता से होगा। ओलिविया गाडेकी और जॉन पीयर्स को मिश्रित युगल का खिताब ओलिविया गाडेकी और जॉन पीयर्स 1989 के बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूनार्मेंट में लगातार दूसरे साल मिश्रित युगल का खिताब जीतने वाली पहली जोड़ी बन गई है।

आखिरी टी20 मैच से पहले पद्मनाभस्वामी मंदिर पहुंची टीम इंडिया, टी20 विश्व कप के लिए की पूजा-अर्चना

तिरुवनंतपुरम। भारतीय टीम ने शनिवार को खेले जाने वाले आखिरी टी20 मैच से पहले तिरुवनंतपुरम स्थित श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। भारतीय खिलाड़ियों की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहीं हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला शनिवार को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। इससे पहले सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में भारतीय खिलाड़ियों ने श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में दर्शन किए और आगामी टी20 विश्व कप के लिए पूजा-अर्चना की। सैमसन पर रहेंगी नजरें टी20 विश्व कप से पहले यह भारतीय टीम का आखिरी टी20 मैच है। इसके बाद टीम इंडिया सात फरवरी से श्रीलंका के साथ विश्व कप की संयुक्त मेजबानी करेगी। पांच मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में सभी की नजरें सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पर रहेंगी। सैमसन इस सीरीज में अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि अब वह अपने होम ग्राउंड पर खेलने उतरेंगे। भारत पहले ही सीरीज में 3-1 से आगे चल रहा है, ऐसे में उसकी कोशिश इस मैच से संयोजन और विश्व कप से पहले तैयारियां परखने की होगी। बल्लेबाजी क्रम में बदलाव की संभावना कम विश्व कप को देखते हुए भारत का संयोजन लगभग तय है और टीम प्रबंधन बस बेंच स्ट्रेंग्थ को परख रहा है। इस बात की संभावना कम है कि बल्लेबाजी विभाग में बदलाव होगा। बस यह देखना होगा कि पिछले मैच में चोट के कारण बाहर रहे ईशान

किशन वापसी करेंगे या नहीं। वहीं, अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे भी लय में रहना चाहेंगे क्योंकि भारतीय टीम के लिए आने वाले दिन काफी महत्वपूर्ण हैं। ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी नागपुर में खेले गए पहले टी20 मैच में अंगुली में चोट लगने के बाद से नहीं खेले हैं। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने विशाखापत्तनम में खेले गए चौथे मैच से पहले नेट पर गेंदबाजी की थी। उम्मीद है कि अक्षर पांचवें टी20 मैच के लिए प्लेइंग-11 का हिस्सा होंगे। गेंदबाजी विभाग में हो सकता है परिवर्तन विशाखापत्तनम में खेले गए चौथे टी20 मैच में भारत ने प्रयोग करते हुए पांच मुख्य गेंदबाजों को ही खिलाया तथा ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे से गेंदबाजी नहीं करवाई। जैसा कि सीरीज के पिछले मैचों में देखा गया, भारत अपने गेंदबाजी विभाग में एक बार फिर फेरबदल कर सकता है। भारतीय टीम प्रबंधन पिछले दो मैचों में आराम देने के बाद मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को मौका दे सकता है।

लाल निशान पर खुला घरेलू शेयर बाजार; सेंसेक्स 619 अंक टूटा, निफ्टी 25300 के नीचे

नई दिल्ली। तीन दिन की तेजी के बाद शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण आईटी शेयरों में गिरावट और 1 फरवरी को बजट पेश होने से पहले बरती जा रही सतर्कता थी। विदेशी निधियों की ताजा निकासी और वैश्विक शेयर बाजारों में कमजोर रुझानों ने भी शुरूआती कारोबार के दौरान बाजारों की कमजोरी में योगदान दिया। शुरूआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 619.06 अंक गिरकर 81,947.31 पर आ गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 171.35 अंक गिरकर 25,247.55 पर पहुंच गया। शुरूआती कारोबार में रुपया निचले स्तर से उबरते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे की बढ़त के साथ 91.90 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की 30 कंपनियों

में से टाटा स्टील, एचसीएल टेक, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एनटीपीसी और टेक महिंद्रा सबसे पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। मारुति, आईटीसी, एशियन पेंट्स और इंटरग्लोब एविएशन लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। नालको के शेयरों में 9 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट नेशनल एल्युमिनियम कंपनी (ठअछउड) के शेयरों में शुक्रवार को तेज गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक स्तर पर एल्युमिनियम कीमतों में कमजोरी और अमेरिकी डॉलर की मजबूती के कारण मेटल शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिली, जिससे सेक्टर की तीन दिन की तेजी टूट गई। बीएसई पर ठअछउड का शेयर करीब 9.4% तक गिरकर 388.45 रुपये के स्तर पर आ गया। वैश्विक और घरेलू बाजार में मेटल कीमतों में आई गिरावट के साथ मजबूत डॉलर ने निवेशकों को मेटल शेयरों से दूरी बनाने पर मजबूर किया। मेटल इंडेक्स में भी करीब 4% की गिरावट दर्ज की गई, जिससे पिछले तीन सत्रों की तेजी समाप्त हो गई। इस दौरान इंडेक्स करीब 8.5% चढ़ा था। हालिया उछाल के बाद सोना और अन्य बेस मेटल्स की कीमतों में तेज गिरावट आई, जिसका असर पूरे मेटल सेक्टर पर पड़ा। बजट से पहले बाजार की चुनौतियां केंद्रीय बजट नजदीक आने के साथ ही बाजार के लिए कुछ चुनौतियां सामने आ रही हैं। भू-राजनीतिक मुद्दे वैश्विक व्यापार को लगातार प्रभावित कर रहे हैं, और ट्रंप द्वारा टैरिफ को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की लगातार धमकियां जारी हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमत में लगभग 70 अमेरिकी डॉलर तक की बढ़ोतरी भारतीय मैक्रोइकॉनॉमिक्स और विशेष रूप से तेल का उपयोग करने वाले उद्योगों के लिए एक चुनौती है। आर्थिक सर्वेक्षण से मिले सकारात्मक संदेश जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि हालांकि, आर्थिक सर्वेक्षण से मिले सकारात्मक संदेश से इन चुनौतियों का सामना किया जा सकेगा, जिसमें वित्त वर्ष 2027 में जीडीपी में 6.8 से 7.2 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले दो दिनों में एफपीआई की निकासी में लगातार गिरावट एफपीआई की रणनीति में संभावित बदलाव का संकेत देती है। सरकार द्वारा गुरुवार को जारी बजट-पूर्व आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, अप्रैल से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था में 6.8-7.2 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जो व्यापार जोखिमों और वैश्विक अस्थिरता के बावजूद देश को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करता है। एशियाई बाजारों में रहा मिला-जुला हाल एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक ऊंचा रहा, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक नीचे कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 69.73 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.39 प्रतिशत गिरकर 69.73 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने एक दिन की राहत के बाद गुरुवार को 393.97 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

135 अरब डॉलर रेमिटेंस, 701 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार; लगातार बढ़ रही हिस्सेदारी

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था ने एक बार फिर अपनी मजबूती का लोहा मनवाया है। 2024-25 में देश को 135.4 अरब डॉलर का रेमिटेंस मिला, जबकि विदेशी मुद्रा भंडार 701 अरब डॉलर के स्तर तक पहुंच गया। भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी मजबूती का लोहा एक बार फिर मनवाया है। इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार भारत ना केवल दुनिया का सबसे बड़ा रेमिटेंस हासिल करने वाला देश बना हुआ है, बल्कि विदेशी मुद्रा भंडार भी रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब पहुंच गया है। 2024-25 में भारत को कुल 135.4 अरब डॉलर का रेमिटेंस मिला। सबसे बड़ी बात यह रही कि अब भारत आने वाले पैसे में विकसित देशों की हिस्सेदारी बढ़ रही है। इस बात से पता चलता है कि विदेशों में भारतीय स्किल और प्रोफेशनल वर्कर्स की मांग और कमाई दोनों में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। 701.4 अरब डॉलर पहुंचा विदेशी मुद्रा भंडार भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 16 जनवरी तक 701.4 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। इस भंडार के जरिये देश लगभग 11 महीनों के आयात को कवर कर सकता है। साथ ही यह देश के कुल बकाया विदेशी कर्ज के 94 फीसदी हिस्से के बराबर है। 14 अरब डॉलर का डिजिटल निवेश विदेशी मुद्रा भंडार किसी भी वैश्विक आर्थिक समस्या से निपटने के लिए एक लिक्विडिटी बफर देता है। दक्षिण एशिया में भारत के अंदर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) जबरदस्त तरीके से आया है। देश ने निवेश के मामले में इंडोनेशिया और वियतनाम को भी पीछे छोड़ दिया। ग्रीनफील्ड निवेश की बात करें तो 2024 में 1,000 से ज्यादा नई परियोजनाओं के साथ भारत दुनिया में चौथे स्थान पर रहा। डिजिटल निवेश के लिए 2020-24 के बीच भारत में 114 अरब डॉलर का सबसे ज्यादा डिजिटल निवेश आया। बाहरी कर्ज भी अन्य देशों से कम दुनिया के कई देश इस समय कर्ज संकट से जूझ रहे हैं, वहीं भारत की स्थिति बहुत अच्छी है। देश पर बाहरी कर्ज एवं जीडीपी का रेश्यो सिर्फ 19.2% है और कुल कर्ज का 5 फीसदी से भी कम है। निर्यात बढ़ाने के लिए विनिर्माण लागत को कम करना होगा। नवाचार, उत्पादकता के साथ देश की मुद्रा और जीडीपी को मजबूत किया जा सकता है।

एमएसएमई क्षेत्र को वैश्विक बनाने की तैयारी, टैरिफ जंग के बीच बजट में यूरोपीय बाजार में विस्तार पर जोर

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते की झलक इस बार के आम बजट में स्पष्ट रूप से दिखाई देगी। अमेरिकी टैरिफ से मचे वैश्विक हड़कंप के बीच वित्त मंत्री का पूरा जोर एमएसएमई सेक्टर को यूरोपीय बाजार का लाभ दिलाने पर होगा। इसके लिए बजट में ऐसे प्रावधान किए जा सकते हैं, जिससे निर्यातकों और उत्पादकों को चरणबद्ध तरीके से कम होने वाले टैरिफ का सीधा फायदा मिल सके। खास तौर पर निर्यातकों को वैश्विक जोखिमों से सुरक्षा देने के लिए ट्रेड रेजिलिएंस फंड की घोषणा संभव है।

पूंजी की लागत और जीएसटी पर राहत की उम्मीद एमएसएमई सेक्टर की लंबे समय से मांग है कि विनिर्माण इकाइयों के लिए पूंजी की लागत घटाई जाए। बजट में छोटे कारोबारियों के लिए निरंतर पूंजी प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित कोष का प्रावधान किया जा सकता है। इसके अलावा, जीएसटी के मोर्चे पर इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर (वह स्थिति जब कच्चे माल या इनपुट पर कर की दर तैयार माल या आउटपुट पर कर की दर से अधिक होती है) की समस्या को सुलझाने और रिफंड प्रक्रिया को तेज करने पर वित्त मंत्री का ध्यान रहेगा। नियमों के अनुपालन के बोझ को कम करने के लिए 1.5 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले सूक्ष्म उद्यमों को कुछ विशेष छूट दी जा सकती है। श्रम-प्रधान उद्योगों पर विशेष फोकस वस्त्र, चमड़ा, हस्तशिल्प और खाद्य प्रसंस्करण जैसे श्रम-प्रधान उद्योगों को बजट में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। सरकार का लक्ष्य आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल के विजन को वैश्विक स्तर पर ले जाना है। रोजगार के लिए एमएसएमई क्षेत्र में अप्रेंटिसशिप योजनाओं और नए स्टार्टअप्स के लिए सुगम रास्ते बनाने की भी घोषणा हो सकती है। फिनटेक और डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म को प्रोत्साहित किया जाएगा। निर्यात के लिए ग्रीन और स्मार्ट तकनीक पर जोर यूरोपीय देशों के साथ व्यापार में अब पर्यावरण और कम कार्बन उत्सर्जन एक अनिवार्य शर्त बन चुकी है। इसे देखते हुए बजट में पर्यावरण-अनुकूल और ऊर्जा-कुशल तकनीकों को अपनाने के लिए विशेष पूंजी सब्सिडी का एलान हो सकता है। निर्यात बढ़ाने के लिए उत्पाद की गुणवत्ता, पैकेजिंग और मांग का सटीक पूवार्नुमान लगाने हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की भी योजना है। क्लस्टर आधारित विकास के लिए साझा डिजाइन और परीक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए भी बड़ी राशि आवंटित की जा सकती है।

पीटी उषा के पति वी श्रीनिवासन का निधन, आईओए अध्यक्ष से बात कर पीएम मोदी ने जताया दुख

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद पीटी उषा के पति वी श्रीनिवासन का 67 वर्ष की आयु में कोझिकोड में निधन हो गया। वे शुक्रवार तड़के घर पर बेहोश होकर गिर पड़े थे और अस्पताल में उन्हें बचाया नहीं जा सका। श्रीनिवासन केंद्र सरकार के पूर्व कर्मचारी थे और पीटी उषा के करियर में हमेशा मजबूत सहारा बने रहे। भारतीय ओलंपिक संघ (क्डअ) की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद

पीटी उषा के पति वी श्रीनिवासन का शुक्रवार तड़के निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, उनका देहांत केरल के कोझिकोड स्थित आवास पर हुआ। वे 67 वर्ष के थे। घर पर अचानक बिगड़ी तबीयत जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार सुबह श्रीनिवासन अपने घर पर अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। घटना से परिवार और करीबी लोगों में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया शोक मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीटी उषा से फोन पर बात कर उनके पति के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने इस कठिन समय में परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति और समर्थन भी जताया। सरकारी सेवा से जुड़े रहे श्रीनिवासन वी श्रीनिवासन केंद्र सरकार के पूर्व कर्मचारी रह चुके थे। वे पीटी उषा के खेल और राजनीतिक जीवन में हमेशा उनके साथ खड़े रहे। उन्हें उषा के करियर में सबसे मजबूत सहारा और प्रेरणास्त्रोत माना जाता था।

यूरोपीय संघ-भारत के बीच व्यापार समझौता अमेरिका के लिए रणनीतिक संकेत, नोबेल विजेता अर्थशास्त्री का बयान

कोलकाता। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी का कहना है कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ व्यापार समझौता बेहद अहम है और यह अमेरिका के लिए एक रणनीतिक संकेत भी है। बनर्जी ने ये भी कहा कि इस व्यापार समझौते का पूरा फायदा उठाने के लिए भारत को अपनी आपूर्ति व्यवस्था में बड़ा सुधार करना होगा। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी ने भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को एक रणनीतिक तालमेल करार दिया। उन्होंने कहा कि यह व्यापार समझौता अमेरिका को साफ संदेश देता है कि भारत और यूरोप, वाशिंगटन पर उतना निर्भर नहीं हैं, जितना

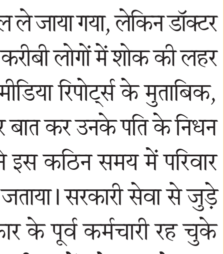

वह सोचता है। अभिजीत ने कहा, ट्रंप प्रशासन की ओर से लगाए गए ऊंचे टैरिफ के बीच यह व्यापार समझौता वॉशिंगटन के लिए एक रणनीतिक संकेत है। अर्थशास्त्री बनर्जी ने चेतावनी देते हुए कहा कि मदर ऑफ ऑल डील्स कहे जा रहे इस व्यापार समझौते से अपने-आप व्यापक आर्थिक लाभ नहीं मिलेंगे, इसके लिए भारत को अपनी कार्यकुशलता और आपूर्ति व्यवस्था में बड़ा सुधार करना होगा। वियतनाम-बांग्लादेश से कड़ी स्पर्धा बनर्जी ने कहा, भारत टेक्सटाइल, चमड़ा और ज्वेलरी जैसे क्षेत्रों पर जोर दे रहा है, उनमें परिणाम अलग-अलग हो सकते हैं। भारत ज्वेलरी और चमड़ा उद्योग में मजबूत है, लेकिन टेक्सटाइल में वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा है। बनर्जी ने असली समस्या आपूर्ति श्रृंखला और डिलीवरी की गति को बताया। वियतनाम ने ईयू को दिया अमेरिका के बराबर राजनयिक दर्जा वियतनाम व यूरोपीय संघ (ईयू) ने बृहस्पतिवार को अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का एलान किया। यह वियतनाम का सर्वोच्च राजनयिक स्तर है। इस उन्नयन से यूरोपीय संघ को अमेरिका, चीन व रूस के समान राजनयिक स्तर प्राप्त हो गया है।

नगर आयुक्त ने जोन ऑफिस का निरीक्षण किया,गैर हाजिर कर्मचारियों का वेतन काटने का आदेश

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शुक्रवार को जोन-5 ऑफिस का औचक निरीक्षण किया। सुबह 11 बजे तक कई कर्मचारी ऑफिस में उपस्थित नहीं थे। इस गंभीर लापरवाही पर नगर आयुक्त ने खुद अटेंडेंस रजिस्टर की जांच की और अनुपस्थित कर्मचारियों के नाम के सामने एब्सेंट दर्ज किया। साथ ही, एक दिन का वेतन काटने के आदेश दिए। निरीक्षण के दौरान ऑफिस भवन की स्थिति भी संतोषजनक नहीं पाई गई। कई जगहों पर दीवारें जर्जर हो चुकी थीं, प्लास्टर उखड़ रहा था और रख-रखाव की स्थिति कमजोर नजर आई। नगर आयुक्त ने इन खामियों को गंभीरता से लेते हुए जोनल अधिकारी को तुरंत मरम्मत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने कहा कार्यालय परिसर में जर्जर दीवारों की मरम्मत शीघ्र कराई जाए, ताकि कर्मचारियों और आने-जाने वाले नागरिकों को सुरक्षित व बेहतर वातावरण मिल सके। साथ ही, कार्यालय की स्वच्छता, रख-रखाव और मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। इसके बाद नगर आयुक्त ने जोन-5 की टैक्स वसूली व्यवस्था की समीक्षा बैठक ली।

हैप्पी बर्थडे सैम, तृप्ति डिमरी ने कथित बॉयफ्रेंड को खास अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई

शेयर की प्यारी फोटोज

तृप्ति डिमरी फिल्मों के अलावा अपनी लव लाइफ को लेकर भी अक्सर चचाओं में रहती हैं। अब उन्होंने अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड को खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है। जानिए बॉयफ्रेंड के लिए तृप्ति ने क्या लिखा अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ओ रोमियो को लेकर चचाओं में हैं। इस फिल्म में पहली बार तृप्ति शाहिद कपूर के साथ नजर आएंगी। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच अब तृप्ति अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चचाओं में हैं। तृप्ति ने अपने कथित बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट को प्यारे अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। तृप्ति ने इस अंदाज में दी बधाई तृप्ति डिमरी ने अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट को बड़े ही खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है। तृप्ति ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर सैम के साथ अपनी तीन अलग-अलग तस्वीरों का एक कोलाज बनाकर पोस्ट किया है। इसके साथ ही तृप्ति ने कैप्शन में लिखा, जन्मदिन मुबारक हो सैम। भगवान आपका भला करे। आप चुपचाप दूसरों को बहुत कुछ देते हो। तृप्ति ने जो तस्वीरें साझा की हैं, उनमें दोनों साथ में ही नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में तृप्ति और सैम दोनों सिर पर हेलमेट लगाए हुए हैं। एक तस्वीर संभवतः किसी बीच की है, सैम तृप्ति के कंधे पर हाथ रखे खड़े हैं। जबकि तीसरी तस्वीर में तृप्ति सैम के कंधे पर हाथ रखे प्यार से खड़ी हैं। ये तस्वीरें दोनों की बॉन्डिंग को दशार्ती हैं। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया पिछले काफी वक्त से तृप्ति का नाम सैम मर्चेंट के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, दोनों ने आज तक खुलकर अपने रिश्ते पर कभी कुछ नहीं कहा, लेकिन दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया है। कई बार दोनों को साथ में छुट्टियां मनाते भी देखा गया है। ओ रोमियो में नजर आएंगी तृप्ति वर्कफ्रंट की बात करें तो तृप्ति डिमरी जल्द ही शाहिद कपूर के साथ फिल्म ओ रोमियो में नजर आएंगी।

विद्या बालन ने अक्षय कुमार के साथ मिलकर प्रियदर्शन सर के जन्मदिन पर बनाई मजेदार वीडियो

भूल भुलैया की यादें एक बार फिर ताजा हो गईं, जब ओरिजिनल मंजुलिका विद्या बालन और अक्षय कुमार ने निर्देशक प्रियदर्शन को उनके जन्मदिन पर एक खास और मजेदार वीडियो

के जरिए जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। यह वीडियो न सिर्फ हंसी से भरपूर था, बल्कि उस दौर की सिनेमाई जादू को भी फिर से जिंदा कर गया, जिसने दर्शकों के दिलों में एक दशक पहले ही खास जगह बना ली थी। इस छोटे से वीडियो में विद्या और अक्षय की सहज केमिस्ट्री और हल्का-फुल्का अंदाज साफ झलकता है। दोनों की बॉन्डिंग यह साबित करती है कि कुछ ऑन-स्क्रीन जोड़ियाँ वक्त के साथ फीकी नहीं पड़तीं, बल्कि समय के साथ और भी यादगार बन जाती हैं। फैंस के लिए यह वीडियो एक खूबसूरत थ्रोबैक है, जिसने भूल भुलैया की विरासत को एक बार फिर ताजा कर दिया।

वैलेंटाइन डे पर 24 साल बाद री-रिलीज होगी ये रोमांटिक फिल्म

शाहिद कपूर की ओ रोमियो से होगा मुकाबला

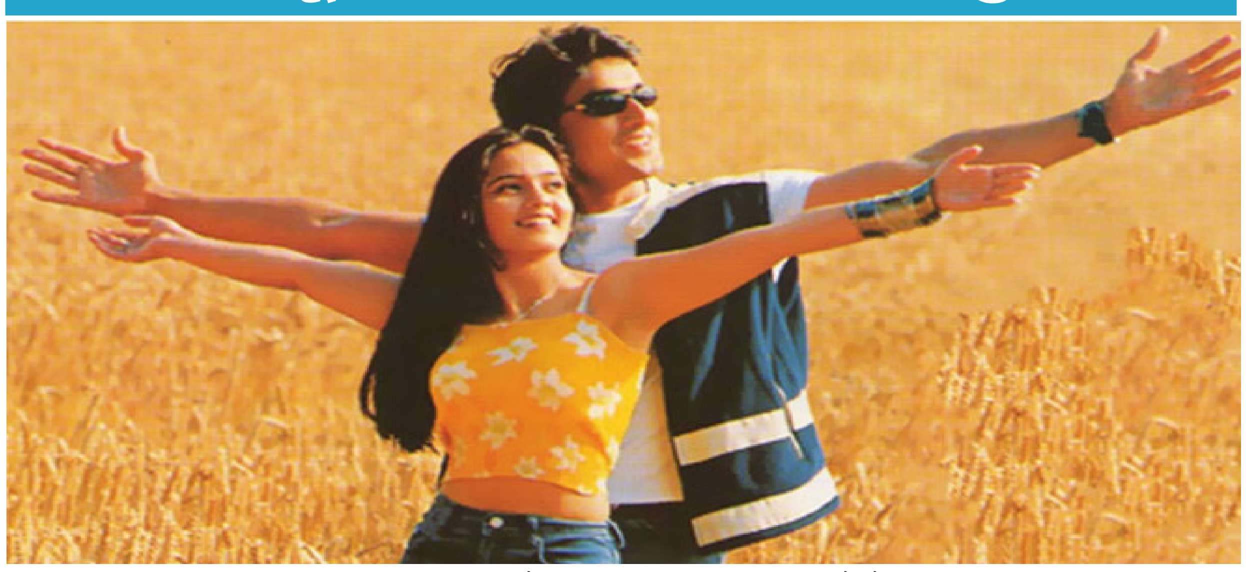

इन दिनों पुरानी फिल्मों को री-रिलीज करने का ट्रेंड चल रहा है। अब इसी कड़ी में 24 साल पहले रिलीज हुई एक रोमांटिक फिल्म फिरसे वैलेंटाइन डे पर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। जानिए कौनसी है ये फिल्म वैलेंटाइन डे के मौके पर नई रिलीज फिल्मों के बीच 24 साल पहले आई रोमांटिक-एक्शन थ्रिलर फिल्म ये दिल आशिकाना भी फिरसे रिलीज होने को तैयार है। साल 2002 में रिलीज हुई ये दिल आशिकाना 13 फरवरी को री-रिलीज हो रही है। मेकर्स ने इसकी घोषणा की है और साथ ही री-रिलीज का ट्रेलर भी जारी कर दिया है। बड़े पर्दे के लिए बनी थी फिल्म टू एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ये दिल आशिकाना को 13 फरवरी को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज करेगी। इस मौके पर फिल्म के निर्देशक कुकू कोहली ने कहा कि ये दिल आशिकाना बड़े पर्दे के लिए ही बनी थी। इसका भव्य स्वरूप, संगीत, भावनाएं, सब कुछ सामूहिक रूप से सिनेमाघर में अनुभव करने के लिए ही बनाया गया था। मुझे सचमुच खुशी है कि नई पीढ़ी को इस फिल्म को उसी तरह देखने का मौका मिलेगा, जैसे 2002 में दर्शकों को मिला था। आज रोमांटिक फिल्मों के बहुत सारे दर्शक हैं और यह फिल्म युवा दर्शकों को पसंद आएगी। यह है फिल्म की कहानी करण नाथ और जिविधा शर्मा स्टारर इस फिल्म की कहानी करण और पूजा के इर्द-गिर्द घूमती है। जब पूजा का विमान आतंकवादियों द्वारा अगवा कर लिया जाता है और करण को एक बड़ा झटका लगता है। करण अपनी जान जोखिम में डालकर पूजा को बचाता है, लेकिन उसे पता चलता है कि पूजा का भाई भी उन्हीं आतंकवादियों में से एक है। यह फिल्म 18 जनवरी 2002 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। नदीम-श्रवण के संगीत से सजी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। शाहिद की ओ रोमियो से होगी टक्कर कुकू कोहली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में करण नाथ और जिविधा शर्मा के अलावा आदित्य पंचोली, अरुणा ईरानी, जॉनी लीवर और रजत बेदी भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। अब देखना ये है कि 24 साल बाद री-रिलीज होने पर यह फिल्म क्या कमाल दिखा पाती है। क्योंकि 13 फरवरी को शाहिद कपूर की ओ रोमियो भी सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है।

भाई संग धन धन बाबा दीप सिंह जी गुरुद्वारे में नतमस्तक हुईं शहनाज गिल, दोनों हाथ जोड़ मांगा आशीर्वाद

टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 13 से मशहूर होने के बाद बॉलीवुड में अपनी दमदार पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस शहनाज गिल ने 27 जनवरी को अपना 32वां जन्मदिन मनाया। शहनाज ने अपना यह खास दिन अपने बेहद करीबी लोगों के साथ सादगी और खुशी के साथ सेलिब्रेट किया, जिसकी एक झलक उन्होंने सोशल मीडिया पर भी शेयर की है। शहनाज गिल ने अपने जन्मदिन की शुरूआत आध्यात्मिक अंदाज में की। वह अपने भाई शहबाज बादेशा के साथ धन धन बाबा दीप सिंह जी गुरुद्वारे पहुंचीं, जहां उन्होंने माथा टेककर आशीर्वाद लिया। इस मौके की एक तस्वीर शहनााज ने इंस्टाग्राम पर शेयर की, जिसमें वह और उनके भाई गुरुद्वारे के बाहर हाथ जोड़कर खड़े नजर आ रहे हैं। दोनों के सिर पर स्कार्फ बंधा हुआ है। तस्वीर के साथ शहनााज ने कैप्शन में लिखा, धन धन बाबा दीप सिंह जी। वाहेगुरु सब ते मेहर करेयो।इसके बाद शहनााज ने अपने बर्थडे सेलिब्रेशन की झलकियां भी सोशल मीडिया पर साझा कीं। वीडियो में वह अपने दोस्तों और परिवार के साथ केक काटती, डांस करती और खुलकर एंजॉय करती नजर आईं। उनके चेहरे की मुस्कान साफ बता रही थी कि यह जन्मदिन उनके लिए बेहद यादगार रहा। काम की बात करें शहनाज गिल को आखिरी बार पंजाबी फिल्म इक्क कुड़ी में देखा गया था, जो अक्टूबर, 2025 को रिलीज हुई थी।

एकता कपूर ने भूत बंगला के निर्देशक को उनके जन्मदिन पर मजेदार अंदाज में दी शुभकामनाएं

निर्देशक प्रियदर्शन के जन्मदिन के मौके पर प्रोड्यूसर एकता कपूर ने उन्हें एक प्यारा और चुटीला संदेश देकर बधाई दी। उनका यह मजेदार विश एकदम भूत बंगला की ुनपताले चपतपज को दशार्ता है। सोशल मीडिया पर एकता ने फिल्ममेकर के लिए दिल से लिखा

संदेश शेयर किया, जिसमें उन्होंने इस बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनने की खुशी जाहिर की और उस क्रिएटिव साझेदारी को फिर से याद किया, जिसे दर्शकों ने सालों से बेहद पसंद किया है। भूत बंगला के साथ, एकता कपूर एक ऐसी क्रिएटिव जुगलबंदी को फिर से साथ ला रही हैं, जिसे दर्शक लंबे समय से पसंद करते आए हैं। यह फिल्म उनकी एंटरटेनमेंट और नॉस्टैल्जिया से भरी कहानियों की यात्रा में एक और रोमांचक अध्याय जोड़ती है। प्रियदर्शन के लिए उनकी यह जन्मदिन की शुभकामना सिर्फ सम्मान ही नहीं, बल्कि उस रचनात्मक रिश्ते को दोबारा जीने की खुशी भी दिखाती है, जिसने भारतीय सिनेमा को कई यादगार पल दिए हैं। बालाजी मोशन पिक्चर्स (बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक डिवीजन) और केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ मिलकर प्रस्तुत कर रहे हैं भूत बंगला। फिल्म में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है और प्रोड्यूसर्स हैं अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर। फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वो धुरंधर देखकर रो रहे थे..सारा ने बताया मूवी देखने के बाद क्या था पेरेंट्स का रिएक्शन

बोलीं- शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अर्जुन फिल्म धुरंधर की सफलता के बाद काफी सुर्खियों में हैं। फिल्म में उनके यालिना जमाली के किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया है। इस फिल्म के बाद अब वह अपनी अगली तेलुगू फिल्म यूफोरिया की तैयारी में बिजी हैं। इसी बीच हाल ही में सारा ने बताया कि जब उनके पेरेंट्स ने धुरंधर देखी तो उनका क्या रिएक्शन था। हाल ही में सुमा कनकाला के

साथ बातचीत में सारा अर्जुन ने कहा कि ये वो पल था जब उनके माता-पिता धुरंधर देखकर खुशी के आंसू रो रहे थे। एक्ट्रेस ने कहा, मेरे लिए ये सबसे खास दिन था। अपने माता-पिता की खुशी देखकर जो महसूस हुआ वो शब्दों में बताना मुश्किल है। जब पूछा गया कि क्या ये उनके पढ़ाई से जुड़ा था तो उन्होंने हंसते हुए कहा, बिलकुल नहीं। ये सिर्फ धुरंधर से जुड़ा था। आगे सारा अर्जुन ने अपनी फिल्म जर्नी को लेकर बातचीत की और कहा, पॉन्नियिन सेल्वन के बाद मैं बोर्डिंग स्कूल गई थी और प्लान था कि विदेश जाकर फिल्म और एक्टिंग की पढ़ाई करूं, लेकिन उसी बीच मैजिक साइन कर लिया। फिर मैंने सोचा कि पढ़ाई जारी रखूंगी लेकिन जब यूफोरिया ऑफर आया तो कहानी इतनी दिलचस्प थी कि मैं इसमें हिस्सा लेने से खुद को रोक नहीं पाई। उसके बाद पीएस2, फिर मैजिक, फिर यूफोरिया और उसके बाद धुरंधर। सच कहूं तो मैंने धुरंधर साइन किया था जबकि मैं यूफोरिया की शूटिंग कर रही थी। बता दें, अब सारा अर्जुन जल्द ही तेलुगू फिल्म यूफोरिया में नजर आएंगी। ये फिल्म 6 फरवरी 2026 को कई भाषाओं में रिलीज होगी। इसके अलावा सारा धुरंधर पार्ट 2 में भी नजर आएंगी, जो 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी।

किन्नर से शादी करके लाखों के गहने-नकदी लेकर फरार, परिजनों ने गाली-गलौज की

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के मदेयगंज इलाके में किन्नर से शादी कर साथ रहने वाला युवक उसके जेवर लेकर फरार हो गया। पीड़ित सानिया उर्फ सनी किन्नर ने आरोपी मारूफ पर धोखाधड़ी और चोरी का आरोप लगाया है। मदेयगंज थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पीड़ित सानिया ने बताया मेहंदी टोला अलीगंज निवासी मारूफ ने उससे शादी की थी। उसी के साथ रह रहा था। वह स्कूटी से पीड़ित को काम पर छोड़ने और लाने जाया करता था। दोनों के बीच भरोसे का रिश्ता बना हुआ था। सानिया ने बताया 21 जनवरी की सुबह करीब 9 बजे मैं काम के लिए घर से निकली, तभी एक अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने बताया कि मारूफ ने किसी और महिला से निकाह कर लिया है। जल्द ही विदेश भागने की तैयारी में है। घबराकर मैंने मकान मालिक को फोन किया, लेकिन फोन बंद मिला। दोपहर करीब 1 बजे जब वह घर लौटी तो देखा कि मारूफ घर से गायब है। पीड़ित सानिया का आरोप है कि मारूफ उसके घर से सोने की चेन, मंगलसूत्र, कान के झाले, करीब 250 ग्राम चांदी की पायल, करीब 2 लाख रुपए और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गया। मारूफ पहले भी 7 अक्टूबर 2025 को इसी तरह घर से सामान लेकर भाग चुका था। उस समय उसने थाना मदेयगंज में शिकायत दी थी, लेकिन 13 अक्टूबर 2025 को मारूफ ने माफी मांगकर समझौता कर लिया था। दोबारा साथ रहने लगा था।

कनाडा पर बढ़ाएंगे टैरिफ

क्यूबा को तेल देने वाले देशों पर भी शुल्क लगाने की चेतावनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस नए बयान से संकेत मिलता है कि अमेरिका-कनाडा व्यापार संबंधों में तनाव और गहराने वाला है, खासकर विमानन क्षेत्र में, जो दोनों देशों के लिए आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। वहीं, क्यूबा को लेकर जारी धमकी से मैक्सिको पर दबाव बढ़ने की संभावना है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कनाडाई विमानों पर 50 फीसदी और क्यूबा को तेल देने वाले देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी। डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के खिलाफ अपने व्यापारिक रुख को और सख्त करते हुए चेतावनी दी कि अमेरिका में बेचे जाने वाले कनाडाई विमानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है। यह कदम अमेरिका और कनाडा के बीच जारी व्यापार युद्ध में ताजा बढ़ोतरी माना जा रहा है, जो ट्रंप और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच बढ़ते टकराव के बीच सामने आया है। क्यूबा को तेल देने वाले देशों पर फूटेगा टैरिफ बम वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत क्यूबा को तेल बेचने या आपूर्ति करने वाले देशों से आने वाले किसी भी सामान पर शुल्क लगाया जाएगा। ट्रंप के इस फैसले से मैक्सिको पर दबाव बढ़ने की आशंका है। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शाइनबाम ने इस हफ्ते कहा कि उनकी सरकार ने अस्थायी रूप से क्यूबा को तेल की आपूर्ति रोक दी है। उन्होंने कहा कि यह एक संप्रभु फैसला था, जो अमेरिका के दबाव में नहीं लिया गया था। गौरतलब है कि ट्रंप क्यूबा सरकार से दूरी बनाने के लिए मैक्सिको पर दबाव डाल रहे हैं। कनाडा ने क्या किया, जो भड़के ट्रंप? कनाडा पर टैरिफ लगाने की धमकी वाले अपने बयान में ट्रंप ने कहा कि यह कदम कनाडा की ओर से जॉर्जिया के सवाना स्थित गल्फस्ट्रीम एयरोस्पेस द्वारा बनाए गए विमानों के प्रमाणन से इनकार के जवाब में उठाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हालात में तुरंत सुधार नहीं किया गया, तो अमेरिका कनाडा से आयात होने वाले सभी विमानों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाएगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि इसके जवाब में अमेरिका कनाडा के सभी विमानों का प्रमाणन रद्द कर सकता है, जिसमें बॉम्बार्डियर के विमान भी शामिल होंगे। इससे पहले, ट्रंप ने सप्ताहांत में कनाडा के खिलाफ 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी, यदि उसने चीन के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को आगे बढ़ाया। हालांकि, उस धमकी में भी टैरिफ लागू करने की समय-सीमा स्पष्ट नहीं की गई थी, जबकि कनाडा पहले ही चीन के साथ एक समझौता कर चुका है।

कुवैत से दिल्ली आ रहे इंडिगो विमान को बम से उड़ाने की धमकी

अहमदाबाद (एजेंसी)। कुवैत से दिल्ली आ रहे इंडिगो विमान को बम से उड़ाने की धमकी के बाद हड़कंप मच गया, जिसके बाद एहतियातन रूप से विमान की अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। धमकी भरा नोट एक टिशू पेपर पर लिखा मिला। बीते कुछ वक्त से विमानों को धमकी भरे संदेश लगातार मिल रहे हैं। इस बीच शुक्रवार को अब कुवैत से दिल्ली आ रहे इंडिगो के विमान को बम से उड़ाने और हाईजैक करने की धमकी दी गई, जिसके बाद सतर्कता बरतते हुए विमान की अहमदाबाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। हाईजैक करने और बम से उड़ाने की धमकी जानकारी के मुताबिक एक टिशू पेपर पर लिखे नोट में प्लेन को हाईजैक करने और बम से उड़ाने की धमकी दी गई। जिसके बाद सभी 180 यात्रियों और उनके सामान की अच्छी तरह से जांच की गई और हर यात्री की पहचान की पुष्टि की जा रही है। इधर, विमान की सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एसवीपीआईए) पर सुरक्षित आपातकालीन लैंडिंग कराई गई है। सुरक्षा एजेंसियां एक्टिव, जांच जारी धमकी भरा नोट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां फौरन सक्रिय हो गई है। फिलहाल हवाई अड्डे के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अभी तक किसी भी तरह की संदिग्ध या आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली है। एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के अनुसार बम निरोधक दस्ते ने विमान की पूरी तरह से जांच की है। सुरक्षा जांच पूरी हो चुकी है और प्रोटोकॉल के अनुसार आगे की जांच जारी है। वहीं दिल्ली के लिए उड़ान में लगभग दो घंटे की देरी हो सकती है। 18 और 22 जनवरी को भी मिली थी धमकी आज की घटना से पहले 18 जनवरी और 22 जनवरी को भी इसी तरह की घटना सामने आई थी। 18 जनवरी (रविवार) को दिल्ली से पश्चिम बंगाल के बागडोगरा जा रही इंडिगो की फ्लाइट में बम की धमकी मिली थी।

एमएसएमई क्षेत्र को वैश्विक बनाने की तैयारी

टैरिफ जंग के बीच बजट में यूरोपीय बाजार में विस्तार पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार के आम बजट में सरकार एमएसएमई सेक्टर को वैश्विक स्तर पर मजबूत बनाने की तैयारी कर रही है। अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच वित्त मंत्री का पूरा जोर यूरोपीय बाजार में पैठ बढ़ाने, निर्यातकों को सुरक्षा और पूंजी व जीएसटी राहत देने पर होगा। यूरोपीय संघ के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते की झलक इस बार के आम बजट में स्पष्ट रूप से दिखाई देगी। अमेरिकी टैरिफ से मचे वैश्विक हड़कंप के बीच वित्त मंत्री का पूरा जोर एमएसएमई सेक्टर को यूरोपीय बाजार का लाभ दिलाने पर होगा। इसके लिए बजट में ऐसे प्रावधान किए जा सकते हैं, जिससे निर्यातकों और उत्पादकों को चरणबद्ध तरीके से कम होने वाले टैरिफ का सीधा फायदा मिल सके। खास तौर पर निर्यातकों को वैश्विक जोखिमों से सुरक्षा देने के लिए ट्रेड रेजिलिएंस फंड की घोषणा संभव है। पूंजी की लागत और जीएसटी पर राहत की उम्मीद एमएसएमई सेक्टर की लंबे समय से मांग है कि विनिर्माण इकाइयों के लिए पूंजी की लागत घटाई जाए। बजट में छोटे कारोबारियों के लिए निरंतर पूंजी प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित कोष का प्रावधान किया जा सकता है। इसके अलावा, जीएसटी के मोर्चे पर इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर (वह स्थिति जब कच्चे माल या इनपुट पर कर की दर तैयार माल या आउटपुट पर कर की दर से अधिक होती है) की समस्या को सुलझाने और रिफंड प्रक्रिया को तेज करने पर वित्त मंत्री का ध्यान रहेगा। नियमों के अनुपालन के बोझ को कम करने के लिए 1.5 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले सूक्ष्म उद्यमों को कुछ विशेष छूट दी जा सकती है। श्रम-प्रधान उद्योगों पर विशेष फोकस वस्त्र, चमड़ा, हस्तशिल्प और खाद्य प्रसंस्करण जैसे श्रम-प्रधान उद्योगों को बजट में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। सरकार का लक्ष्य आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल के विजन को वैश्विक स्तर पर ले जाना है। रोजगार के लिए एमएसएमई क्षेत्र में अप्रेंटिसशिप योजनाओं और नए स्टार्टअप्स के लिए सुगम रास्ते बनाने की भी घोषणा हो सकती है। फिनटेक और डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म को प्रोत्साहित किया जाएगा। निर्यात के लिए ग्रीन और स्मार्ट तकनीक पर जोर यूरोपीय देशों के साथ व्यापार में अब पर्यावरण और कम कार्बन उत्सर्जन एक अनिवार्य शर्त बन चुकी है। इसे देखते हुए बजट में पर्यावरण-अनुकूल और ऊर्जा-कुशल तकनीकों को अपनाने के लिए विशेष पूंजी सब्सिडी का एलान हो सकता है। निर्यात बढ़ाने के लिए उत्पाद की गुणवत्ता, पैकेजिंग और मांग का सटीक पूर्वानुमान लगाने हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की भी योजना है। क्लस्टर आधारित विकास के लिए साझा डिजाइन और परीक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए भी बड़ी राशि आवंटित की जा सकती है।

वेनेजुएला में ऐतिहासिक बदलाव, दो दशक बाद बड़ा फैसला; तेल उद्योग को निजीकरण-विदेशी निवेश के लिए खोला

काराकास (एजेंसी)। वेनेजुएला की कार्यकारी राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगुज ने देश के तेल उद्योग के लिए एक बड़ा कानून मंजूर कर इसे हस्ताक्षर कर दिया है, जो लंबे समय तक सामाजिकवादी नीतियों के तहत राज्य के पूर्ण नियंत्रण में रहे तेल क्षेत्र को खोलेगा। दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार वाले देश वेनेजुएला ने तेल उद्योग में सुधार के लिए ऐतिहासिक विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं। 3 जनवरी को सैन्य कार्रवाई के बाद वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्त किया था। जिसके बाद वो अमेरिका की कैद में हैं। इधर, देश की कमान संभाल रही कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज देश के अंदर तेल उद्योग में बड़ा कदम उठाया है। वेनेजुएला सरकार ने गुरुवार (29 जनवरी) को देश के तेल क्षेत्र को निजीकरण के लिए खोलने की मंजूरी दे दी। यह कदम मादुरो की गिरफ्तारी के एक महीने से भी कम समय में उठाया गया है। जो कि देश के अंदर दो दशकों के बाद सबसे बड़ा बदलाव है। ऐसा इसलिए क्योंकि राजनीतिक अस्थिरता और निवेश की कमी के चलते तेल उत्पादन पूरी तरह से गिर चुका था। गुरुवार को नेशनल असेंबली ने ऊर्जा उद्योग कानून में संशोधन को मंजूरी दी गई। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने तेल कर्मचारियों और सरकार के समर्थकों के एक बड़े समूह के सामने इस सुधार को कानून के रूप में हस्ताक्षरित कर दिया। इधर, जैसे ही विधेयक पारित हो रहा था, वित्त विभाग ने आधिकारिक तौर पर वेनेजुएला के तेल पर लगे प्रतिबंधों में ढील देना शुरू कर दिया।

14 साल बाद बांग्लादेश से पाकिस्तान सीधी फ्लाइट बहाल, ढाका-कराची हवाई कनेक्टिविटी फिर शुरू

लाहौर/कराची (एजेंसी)। बांग्लादेश से पाकिस्तान के बीच 14 साल के लंबे अंतराल के बाद सीधी हवाई कनेक्टिविटी बहाल हो गई है। एयरपोर्ट पर फ्लाइट का पारंपरिक वॉटर साल्यूट के साथ स्वागत किया गया। इस फ्लाइट के बहाल होने से ढाका-कराची मार्ग पर दो बार हफ्ते में उड़ान संचालित की जाएगी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका से पाकिस्तान के कराची के जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 14 साल बाद पहली सीधी फ्लाइट पहुंची, जिससे दोनों देशों के बीच हवाई कनेक्टिविटी फिर से बहाल हो गई। पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार, बिमान बांग्लादेश एयरलाइन की फ्लाइट इऋ341 गुरुवार शाम ढाका से कराची पहुंची। एयरपोर्ट पर इस फ्लाइट का स्वागत पारंपरिक वॉटर साल्यूट के साथ किया गया। बयान में कहा यह ढाका से कराची आने वाली पहली फ्लाइट है जो 14 साल बाद जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड हुई। गुरुवार और शनिवार को संचालित होगी उड़ाने इस अवसर को पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच बढ़ते दोस्ताना संबंधों का प्रतीक बताया गया। एयरलाइन द्वारा जारी बयान के अनुसार, फ्लाइट अब सप्ताह में दो बार गुरुवार और शनिवार को चलेगी। ढाका से उड़ान रात 8 बजे रवाना होगी और कराची में रात 11 बजे पहुंचेगी। वापस में फ्लाइट कराची से मध्यरात्रि 12 बजे रवाना होकर ढाका में सुबह 4:20 बजे पहुंचेगी। बांग्लादेश और पाकिस्तान की सरकारें पिछले साल से ढाका और कराची के बीच सीधी फ्लाइट्स बहाल करने पर चर्चा कर रही थीं। इसका उद्देश्य दोनों देशों के व्यापार और अन्य संबंधों को मजबूत करना है।

ईवी बूम के साथ यूरोप के कार बाजार में चीनी ब्रांड्स की बड़ी छलांग, हर 10 में एक कार चीन में बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले महीने यूरोप में बिकने वाली हर 10 पैसेंजर कारों में से लगभग एक चीनी ऑटोमेकर्स ने बनाई थी। यह एक रिकॉर्ड शेयर है। जो हाइब्रिड और बैटरी से चलने वाली गाड़ियों की तेज बिक्री की वजह से हुई तेजी से ग्रोथ वाले साल का नतीजा है। यूरोप के ऑटोमोबाइल बाजार में चीनी कार निमार्ताओं की मौजूदगी अब नजरअंदाज करने लायक नहीं रही। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में यूरोप में बिकने वाली हर 10 में से लगभग 1 पैसेंजर कार चीन में बनी थी। यह अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। और इलेक्ट्रिक व हाइब्रिड वाहनों की तेज बिक्री ने इस रफ्तार को और मजबूती दी है। रिसर्च फर्म डेटाफोर्स के आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर में चीनी ब्रांड्स की बाजार हिस्सेदारी 9.5 प्रतिशत तक पहुंच गई। तिमाही आधार पर पहली बार चीनी कंपनियों ने दक्षिण कोरियाई ब्रांड्स, जिनमें ङ्क (किआ) जैसे नाम शामिल हैं, को पीछे छोड़ दिया। एश और हाइब्रिड सेगमेंट में सबसे ज्यादा पकड़ चीनी कंपनियों की सबसे बड़ी ताकत यूरोप के इलेक्ट्रिफाइड कार सेगमेंट में देखने को मिल रही है। बैटरी तकनीक में बढ़त के दम पर चीन की कंपनियों ने स्पेन, ग्रीस, इटली और ब्रिटेन जैसे बाजारों में ग्राहकों को तेजी से आकर्षित किया है। डेटाफोर्स के विश्लेषक जूलियन लिट्जिंगर के मुताबिक, दक्षिणी यूरोप में चीनी कारों को इतनी जल्दी अपनाया जाएगा, इसकी उम्मीद नहीं थी। खासकर ईवी सेगमेंट में उपभोक्ताओं की ब्रांड के प्रति लचीलापन चीनी कंपनियों के लिए फायदेमंद साबित हुआ। इलेक्ट्रिफाइड कार बाजार में हिस्सेदारी दोगुनी दिसंबर में यूरोप के इलेक्ट्रिफाइड कार बाजार में चीनी ब्रांड्स की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत रही, जबकि पूरे 2025 के लिए यह औसतन 11 प्रतिशत तक पहुंच गई। यह 2024 की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा है। अगर उन गाड़ियों को भी गिना जाए, जो चीन में बनती हैं लेकिन ळी२" (टेस्ला), श्ङ्क''२६ील्ल (फॉक्सवैगन) या इटह (बीएमडब्ल्यू) जैसे गैर-चीनी ब्रांड्स के नाम से बिकती हैं, तो 2025 में यूरोप में बिकने वाली हर सातवीं इलेक्ट्रिफाइड कार चीन में बनी थी। यूरोपीय ऑटो उद्योग पर बढ़ता दबाव चीन की बढ़ती मौजूदगी यूरोप के ऑटो उद्योग के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। यह सेक्टर यूरोप में 1.3 करोड़ से ज्यादा नौकरियों से जुड़ा है और आर्थिक स्थिरता की रीढ़ माना जाता है। इटली की ऑटो ट्रेड बॉडी अल्ल्प्र' के प्रमुख और इश्ुङ्क के एग्जीक्यूटिव रोबर्टो वावासोरी का कहना है कि अगर तुरंत कदम नहीं उठाए गए, तो पिछले 18 महीनों में खत्म हुई 1.1 लाख से ज्यादा नौकरियों की भरपाई मुश्किल होगी।

जेलेंस्की को बिजली घरों पर हमले रोकने के दावे पर संदेह, कड़ाके की सर्दी ने संकट बढ़ाया

कीव (एजेंसी)। कड़ाके की सर्दी के बीच यूक्रेन में रूस के हमले रुकने के दावे पर शंका बनी बनी हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि रूस ने बातचीत में यूक्रेन के बिजली घरों पर हमले रोकने पर सहमति जताई है। हालांकि, क्रेमलिन ने ट्रंप के इस दावे पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बीते चार साल से जारी भीषण जंग के बीच कीव और अन्य हिस्सों में लोगों को कड़ाके की सर्दी का सामना करना पड़ रहा है। यूक्रेन इस चीज को देख रहा है कि रूस अपना वादा निभा रहा है या नहीं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में दावा किया था कि रूस ने एक हफ्ते तक यूक्रेन के बिजली घरों और बिजली की आपूर्ति पर हमलों को रोकने की बात मानी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्या दावा किया था? ट्रंप ने गुरुवार देर रात कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ऐसे समय में एक हफ्ते तक कीव और अन्य शहरों को निशाना न बनाने की बात मानी है, जब क्षेत्र में कड़ाके की ठंड ने आम लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हमले कब तक रुके रहेंगे, व्हाइट हाउस ने नहीं दिया स्पष्टीकरण हालांकि, ट्रंप ने यह जानकारी नहीं दी कि पुतिन से कब बातचीत हुई और कब तक हमले रुके रहेंगे। व्हाइट हाउस से जब यह पूछा गया कि हमले रोकने का यह फैसला किन जगहों पर लागू होगा और कब से लागू होगा, तो उसने तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। क्रेमलिन की ओर से भी इस बात की तत्काल कोई पुष्टि नहीं हुई कि पुतिन ने ऐसी किसी प्रतिबद्धता पर सहमति दी है।

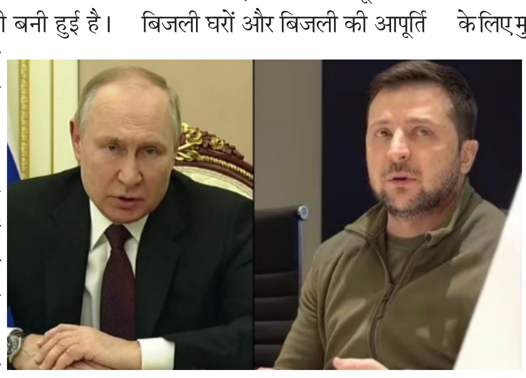

सीनेट में डेमोक्रेट्स ने सरकारी फंडिंग बिल अटकाया, आव्रजन नीति पर अड़े

बातचीत जारी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में एक बार फिर सरकारी शटडाउन का खतरा मंडराने लगा है। सीनेट में डेमोक्रेट्स ने सरकारी फंडिंग बिल को आगे बढ़ने से रोक दिया। गुरुवार को हुए परीक्षण मतदान में प्रस्ताव के समर्थन में 45 जबकि विरोध में 55 वोट पड़े, जिसके चलते यह बिल सीनेट में अटक गया। अमेरिका में एक बार फिर सरकारी शटडाउन का खतरा मंडराने लगा है। सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी ने गुरुवार को होमलैंड सिक्योरिटी और अन्य एजेंसियों के लिए फंडिंग बिल को आगे बढ़ने से रोक दिया। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आव्रजन कार्रवाई को लेकर राजनीतिक टकराव चरम पर है। जहां कुछ रिपब्लिकन सीनेटर अस्थायी समाधान के पक्ष में हैं, वहीं डेमोक्रेट्स अपनी मांगों पर अडिग हैं। वर्मांट के सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने तो यहां तक कह दिया कि जब तक आईसीई में सुधार नहीं होता, एक भी डॉलर नहीं दिया जाना चाहिए। विरोध में पड़े 55 वोट सीनेट में हुए परीक्षण मतदान में बिल के पक्ष में 45 और विरोध में 55 वोट पड़े, जिससे यह प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका। डेमोक्रेट्स ने साफ कर दिया है कि जब तक आईसीई (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट) की कार्यप्रणाली में बदलाव नहीं होता, वे बिल का समर्थन नहीं करेंगे। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने कहा अमेरिकी जनता कानून व्यवस्था और सीमा सुरक्षा का समर्थन करती है, लेकिन आईसीई की मनमानी और नागरिकों की मौत को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।

E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।